राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार,17 मार्च–2023 वर्ष–6,अंक–52 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

आंध्र प्रदेश का 2,79,279 करोड़ रुपये का बजट पेश

अमरावती । आंध्र प्रदेश के वित्त मंत्री बुग्गना राजेंद्रनाथ ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2023-24 के लिए राज्य का 2,79,279 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। बजट में प्रत्यक्ष लाभ योजनाओं (डीबीटी) के लिए कुल 54,228 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसमें 21,435 करोड़ रुपये वाईएसआर पेंशन कानुका के लिए, 4,020 करोड़ रुपये वाईएसआर रिथु भरोसा के लिए, 2,842 करोड़ रुपये जगनन्ना विद्यादेवेना और 2,200 करोड़ रुपये जगनन्ना वसती देवेना के लिए आवंटित किए गए हैं। बजट में 15,882 करोड़ रुपये का प्रावधान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के लिए किया गया है। मूल्य स्थिरता कोष के लिए 3,000 करोड़ रुपये, मानाबाड़ी नेदु-नेदु के लिए 3,500 करोड़ रुपये और पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास के लिए 15,873 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। सामुदायिक कल्याण के क्षेत्र में वित्त मंत्री ने कापु कल्याण के लिए 4,887 करोड़ रुपये और अल्पसंख्यक कल्याण के लिए 4,203 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इसतरह गरीबों के लिए आवास के लिए 5,600 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

सत्ता और विपक्ष के हंगामे के बीच संसद में चौथे दिन नहीं हुआ काम संसद शुक्रवार तक के लिए स्थगित

नई दिल्ली । संसद सत्र के बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान चार दिनों से भाजपा लगातार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से सदन में आकर माफी मांगने की मांग कर रही है। गुरुवार को दोपहर 2 बजे राहुल सदन की कार्यवाही शुरू होने से चंद मिनट पहले ही सदन पहुंचे और जैसे ही उन्होंने लोक सभा में प्रवेश किया, भाजपा सांसदों ने जोरदार शब्दों में माफी मांगने की मांग की। कार्यवाही शुरू होते ही लोकसभा की कार्यवाही के संचालन के लिए जैसे ही पीठासीन सभापति किरिट प्रेमजीभाई सोलंकी अध्यक्ष के आसन पर बैठे, नारेबाजी शुरू हो गई। तृणमूल कांग्रेस के सांसद विरोध जताकर अपने-अपने मुहं पर काली पट्टी बांधकर वेल में आकर खड़े हो गए। नारेबाजी और हंगामे के बीच पीठासीन सभापति सोलंकी ने सदन को चलाने की कोशिश की। इस बीच बार-बार लोक सभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी राहुल गांधी की तरफ बार-बार ऊंगली दिखाकर आसन से कुछ कहने का प्रयास कर रहे थे। ऐसा लग रहा था कि राहुल गांधी सदन में कुछ बोलना चाहते थे लेकिन सदन में हंगामा और नारेबाजी जारी रहने पर पीठासीन सभापति ने सदन की कार्यवाही को शुक्रवार 11 बजे तक यानी दिन भर के लिए स्थगित कर दिया।

तेजस्वी यादव को राहत नहीं, 25 मार्च को सीबीआई के सामने पेशी

नई दिल्ली । रेलवे में नौकरी के बदले जमीन घोटाले में बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को दिल्ली हाई कोर्ट से राहत नहीं मिली है। दिल्ली उच्च न्यायालय में सुनवाई के दौरान तेजस्वी के वकील ने पहले गिरफ्तारी की आशंका जाहिर कर पेशी से छूट की मांग की, लेकिन सीबीआई की ओर से सिर्फ पूछताछ का भरोसा देने के बाद 25 मार्च को पेशी के लिए तैयार हो गए। जस्टिस डी के शर्मा के सामने तेजस्वी के वकील ने कहा कि 11 दिन में 3 बार समन जारी किया गया, जबकि उन्होंने कहा था कि वह बिहार के उप मुख्यमंत्री हैं, वहां बजट पेश करने की तैयारी चल रही है। सीबीआई के वकील ने कहा कि उन्हें शनिवार को पेश होने के लिए कहा जाए। इस पर तेजस्वी के वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल को सीबीआई गिरफ्तार कर लेगी। हालांकि, सीबीआई के वकील ने आशंका को खारिज करते हुए कहा, हम कोर्ट को भरोसा देते हैं, पेश होने पर यादव को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। कुछ दस्तावेज दिखाकर सिर्फ पूछताछ होगी।

महाराष्ट्र में एच3एन2 व एच1एन1 पसार रहा पैर, मुंबई में 32 मरीज भर्ती

सीएम एकनाथ शिंदे आज एच3एन2 पर करेंगे बैठक

मुंबई । अब देश एवं दुनिया में एक नए वायरस एच3एन2 और एच1एन1 ने दस्तक दी है, जो अपना पैर पसार रहा है। इस वायरस को एक्सपर्ट खतरनाक बता रहे हैं। बीएमएस की ओर से गत दिवस बुधवार को बताया गया कि मुंबई में 32 मरीज भर्ती हैं, जिनमें से एच3एन2 के 4 और एच1एन1 के 28 मरीज हैं। इन सभी मरीजों की हालत फिलहाल स्थिर है। इस बीच आज यानी गुरुवार को 16 मार्च को महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे एच3एन2 पर बैठक करेंगे। वहीं इस ख़ास बैठक में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री तानाजी सावंत और कई अधिकारी भी शामिल होंगे। इससे पहले तानाजी सावंत ने कहा था कि अगले दो दिनों में इस वायरस के लिए गाइडलाइंस जारी होगी। साथ ही उन्होंने भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क के इस्तेमाल और सोशल डिस्टेंसिंग की भी सलाह दी थी। गौरतलब है जनवरी से अब तक देश में संक्रामक एच3एन2 वायरस के 3 हजार से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। वहीं अब तक 9 लोगों को जान गंवानी पड़ी है। इस खतरनाक वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित महाराष्ट्र में अब तक 352 मामले सामने आए हैं।

राहुल के स्वदेश लौटते ही भाजपा ने बोला चौतरफा हमला

माफी की मांग के साथ घेरा

नई दिल्ली: (एजेंसी)

लंदन में भारतीय लोकतंत्र के बारे में की गई टिप्पणी को लेकर मचे राजनीतिक बवाल के बीच बृहस्पतिवार को संसद पहुंचे राहुल गांधी पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चौतरफा हमला बोला और उन पर 'भारत विरोधी ताकतों की भाषा' बोलने तथा 'टुकड़े-टुकड़े' गैंग के साथ खड़े होने का आरोप लगाया। भाजपा नेताओं ने कहा कि विदेशी धरती से भारतीय लोकतंत्र व संसद को ''गाली देने'' के बाद स्वदेश लौटे पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष के मुंह से अपनी टिप्पणियों के लिए खेद स्वरूप एक भी शब्द न निकलना उनके अहंकार को दर्शाता है। ज्ञात हो कि ब्रिटेन यात्रा से लौटने के बाद पहली बार संसद पहुंचे राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की और उनसे संसद में अपना पक्ष रखने का मौका देने की अपील की। इसके बाद राहुल के खिलाफ संसद भवन परिसर में तीन केंद्रीय मंत्रियों ने, तो संसद के बाहर केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रीजीजू और पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने मोर्चा संभाला। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही लगातार चौथे दिन हंगामे की भेंट चढ़ने के बाद केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और प्रह्लाद जोशी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से चर्चा में कहा कि कांग्रेस नेता को अपने बयानों के लिए पहले सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस नेता पर निशाना साधते हुए गोयल ने कहा कि वह ऐसे व्यवहार कर रहे हैं मानों ''देशभक्ति का कोई महान कार्य'' करने के बाद वह भारत लौटे हों। गोयल ने कहा कि गांधी ने अब तक माफी नहीं मांगकर अपनी और कांग्रेस की छोटी मानसिकता का प्रदर्शन किया है। संसदीय कार्य मंत्री जोशी ने कहा, ''भारत की प्रतिष्ठा पर पहले कभी इस तरह से हमला नहीं हुआ है। राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं लेकिन विदेशी शक्तियों से हस्तक्षेप की मांग करने से बड़ा कोई अपराध नहीं हो सकता। जिस भारत को पूरी दुनिया लोकतंत्र की जननी के रूप में देखती है उसके लिए राहुल गांधी ने गंभीर अपमानजनक टिप्पणी की है, और इससे पूरे देश में गुस्सा है।'' उन्होंने कहा कि उन्हें माफी मांगनी चाहिए क्योंकि सांसद और देश यही मांग कर रहे हैं। जोशी ने जोर देकर कहा कि भाजपा के अलावा अन्य दल भी गांधी से माफी की मांग कर रहे हैं। ज्ञात हो कि हाल ही में लंदन में एक कार्यक्रम में राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि भारतीय लोकतंत्र के ढांचे पर ''बर्बर हमला'' हो रहा है। उन्होंने अफसोस जताया कि अमेरिका और यूरोप समेत दुनिया के लोकतांत्रिक हिस्से इस पर ध्यान देने में नाकाम रहे हैं। राहुल ने व्याख्यान में यह आरोप भी लगाया था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को नष्ट कर रहे हैं। संसद भवन परिसर में ही पत्रकारों से बातचीत में केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि ''परदेशी'' घर आ गये हैं और अब विदेशी सरजमीं से ''भारत की छवि खराब करने के अपने कृत्यों ''पर वह माफी मांग लें। उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी ने विदेशी सरजमीं से देश को अपमानित करने का काम किया है। ये टुकड़े-टुकड़े व देश का नामोनिशान मिटाने के सपने देखने वाले गैंग के साथ खड़े होते हैं। अपनी पार्टी में शामिल करते हैं। अब विदेश में जाकर भारत को बदनाम करने का काम, झूठ बोलने का काम, संसद का अपमान करने का काम किया है।

संसद पहुंचे राहुल गांधी ने कहा, मैंने भारत विरोधी कुछ भी नहीं कहा

नई दिल्ली । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी के लोकतंत्र पर दिए बयान पर बवाल मचा हुआ है। भाजपा राहुल गांधी से लगातार माफी की मांग कर रही है। इस बीच राहुल गांधी विदेश से लौटने के बाद गुरुवार को संसद पहुंचे। लंदन के भाषण पर राहुल से सवाल पूछा गया। पहले उन्होंने चुप्पी साधी। लेकिन बाद में उन्होंने कहा कि मैंने भारत विरोधी कुछ भी नहीं बोला। राहुल गांधी ने कहा कि लंदन सेमिनार में मैंने भारत विरोधी कुछ भी नहीं कहा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर वे अनुमति देते हैं, तब मैं संसद के अंदर बोलूंगा। उनका इशारा केंद्र की मोदी सरकार की ओर था। राहुल गांधी द्वारा भारतीय लोकतंत्र को लेकर लंदन में दिए बयान पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यों ने संसद के दोनों सदनों में भारी हंगामा किया। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि निश्चित तौर से देश सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबके प्रयास से आगे बढ़ रहा है, तभी भारत 10वें नंबर की अर्थव्यवस्था से 5वें नंबर की अर्थव्यवस्था बना। दुनिया ने भारत के नेतृत्व को माना है, लेकिन कांग्रेस शायद ये मानने को तैयार नहीं है। ठाकुर ने कहा कि आप कम से कम संसद का अपमान न करें। देश के बारे में इसतरह के विचार रखना दुर्भाग्यपूर्ण है। जब इंदिरा जी विदेश गई थीं, तब उन्होंने देश के बारे में कुछ नहीं कहा था आप उनसे ही कुछ सीख लीजिए।

कोविड के बाद भारत में विदेशी पर्यटकों की संख्या चार गुनी हुई

नई दिल्ली। (एजेंसी)

सरकार ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि कोविड महामारी में कमी आने के बाद 2022 में भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या चार गुनी से भी अधिक हो गई। पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी ने 2021 में विदेश से भारत आए पर्यटकों की संख्या 15,27,114 थी जो 2022 में बढ़कर 61,91,399 हो गई और इस प्रकार उनकी संख्या में 305.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि 2021 में पर्यटन के माध्यम से भारत को 65,070 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा की आय हुई जो 2022 में 1,34,543 करोड़ रुपये रही। उन्होंने कहा कि 2022 में पिछले साल की अपेक्षा 106.77 प्रतिशत अधिक विदेशी मुद्रा की आय हुई। मंत्री ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के बाद पर्यटन को बहाल करने और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए भारत सरकार ने संभावित पर्यटन बाजारों से आने वाले विदेशी पर्यटकों को पहले पांच लाख वीजा निशुल्क प्रदान किए।

भारतीय सेना का चीता हेलीकॉप्टर क्रेश , दो पायलटों की मौत

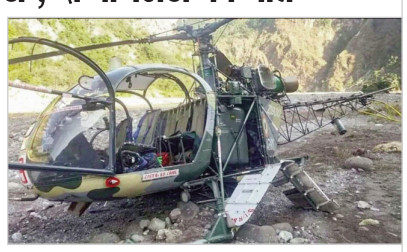

ईटानगर । भारतीय सेना का चीता हेलीकॉप्टर गुरुवार को अरुणाचल प्रदेश में बोमडिला के पश्चिम मंडला के पास दुर्घटनाग्रस्त (क्रेश) हो गया है। अरुणाचल के पास एक ऑपरेशनल के अंतर्गत उड़ान भर रहे चीता हेलीकॉप्टर का संपर्क एटीसी से टूट गया था। भारतीय सेना के मुताबिक 16 मार्च को सुबह करीब 09 बजकर 15 मिनट पर चीता हेलीकॉप्टर का संपर्क (एयर ट्रैफिक कंट्रोलर) एटीसी से टूटने की सूचना मिली थी। सेना ने दुर्घटना की खबरों की पुष्टि कर कहा है कि चीता हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना है। वहीं इस हादसे में दो पायलटों की मौत हो गई है। सेना के अधिकारी ने कहा कि तलाशी दलों को दुर्घटना स्थल की ओर रवाना किया गया है। चीता हेलीकॉप्टर भारतीय सेना का एक उच्च प्रदर्शन वाला हेलीकॉप्टर है, जिसे ऊंचाई की स्थिति में संचालन के लिए डिजाइन किया गया है। पांच सीट वाला चीता हेलीकॉप्टर बहुमुखी, बहु भूमिका, बहुउद्देशीय, अत्यधिक गतिशील और निर्माण में मजबूत है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा तैयार किया गया यह हेलीकॉप्टरों की सभी श्रेणियों के बीच अधिक ऊंचाई पर उड़ान भरने का विश्व रिकॉर्ड रखता है। एचएएल के अनुसार, चीता एक पांच सीटों वाला हेलीकाप्टर है। अपने उत्कृष्ट शक्ति-वजन अनुपात के कारण, चीता गर्म उष्णकटिबंधीय मौसम में संचालन और उच्च ऊंचाई पर भी मिशन के लिए सबसे उपयुक्त हेलीकाप्टरों में से एक है।

तमिलनाडु की पटाखा फैक्ट्री में दर्दनाक हादसा, विस्फोट में दो महिलाओं की मौत

एजेंसी तमिलनाडु के पेत्रागारम के नागदासमपट्टी गांव में बृहस्पतिवार को पटाखा निर्माण इकाई में हुए विस्फोट में दो महिलाओं की मौत हो गई और एक पुरुष कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मंदिर के उत्सवों के लिए पटाखा निर्माण के दौरान उस वक्त आग लगी जब कर्मचारी ज्वलनशील पदार्थ से संबंधित काम कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि आग लगने की घटना में दो महिला कर्मचारी, के मुनियाम्मल (65) और बी पलानीअम्मल (50) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरे कर्मचारी पी शिवलिंगम गंभीर रूप से झुलस गए। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा, मुझे धर्मपुरी जिला कलेक्टर से इलाज के विवरण के अलावा दुर्घटना और बचाव अभियान के बारे में पता चला। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे का आरोप

अडाणी मुद्दे और अपनी विफलताओं पर चर्चा करने से बच रही मोदी सरकार

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार पर विपक्ष को उकसाने का आरोप लगाकर कहा कि वह अडाणी मुद्दे और अपनी विफलताओं पर चर्चा से बचने के लिए संसद नहीं चलने दे रहे है। खरगे ने कहा कि राहुल गांधी की ब्रिटेन में की गई टिप्पणी को लेकर माफी मांगने का कोई सवाल ही नहीं है। ब्रिटेन की हालिया यात्रा के दौरान राहुल गांधी की टिप्पणी को लेकर सत्ता पक्ष ने संसद के दोनों सदनों में हंगामा किया और वह राहुल गांधी से माफी मांगे जाने की मांग कर रहा है। खरगे ने आरोप लगाया, ''...इसी तरह लोकतंत्र को कुचला जा रहा है, हम कल शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे, हमें किसने रोका? उन्होंने हमें रोकने के लिए महिला पुलिसकर्मियों को आगे कर दिया।'' अदाणी मामले में प्रवर्तन निदेशालय को अपनी शिकायत सौंपने के लिए कांग्रेस ने अन्य विपक्षी दलों के साथ बुधवार को संसद भवन से विरोध मार्च निकाला था। पुलिस ने विजय चौक पर विपक्षी नेताओं को रोक दिया था। कांग्रेस अध्यक्ष ने सुबह संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले कहा कि सरकार की मंशा अडाणी मुद्दे से बचने की है, ताकि इस पर चर्चा न हो और उनकी विफलताओं पर संसद में चर्चा नहीं हो।

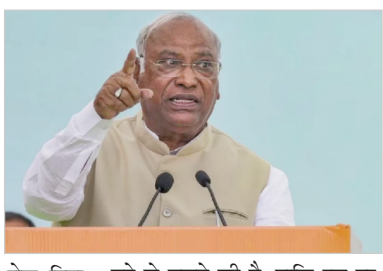

बिपिन रावत के थिएटर कमांड बनाने का ड्रीम प्रोजेक्ट पूरा करेगी मोदी सरकार

चीनी सेना के सामने दीवार बनकर खड़ा होगा थिएटर कमांड

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारत की तीनों सेनाओं को संयुक्त रूप से मजबूत बनाने के लिए केंद्र की मोदी सरकार ने बुधवार को लोकसभा में विधेयक पेश किया। इस विधेयक के पास होने के बाद तीनों सेनाओं के कमांडरों को उनके अधीन काम करने वाले तीनों सशस्त्र बलों के सभी कर्मियों को अनुशात्मक अधिकार देगा। दरअसल, तीनों सेनाओं को संयुक्त रूप से मजबूत करने के लिए आधुनिकीकरण और पुनर्गठन करके थिएटर कमांड बनाने की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी के तहत रक्षा मंत्रालय ने लोकसभा में विधेयक पेश किया। भारत में थिएटर कमांड बनाना जनरल बिपिन रावत का ड्रीम प्रोजेक्ट माना जाता है। रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट ने इंटर सर्विसेस ऑर्गेनाइजेशन (कमांड कंट्रोल एंड डिसिप्लिन) बिल-2023 संसद में पेश किया। विधेयक में कहा गया है कि सरकार एक अधिसूचना के जरिए इंटर सर्विसेस ऑर्गेनाइजेशन का गठन कर सकती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पिछले साल जुलाई में तीनों सेनाओं के ज्वॉइंट थिएटर कमांड सेटअप करने की घोषणा की थी।

देश के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत थिएटर कमांड पर काम कर रहे थे। 31 दिसंबर 2019 को जब जनरल बिपिन रावत ने सीडीएस का पद संभाला था, तब उनका सबसे बड़ा काम तीनों सेनाओं में तालमेल बैठाने का था। इसके साथ ही उन्हें तीन साल के भीतर थिएटर कमांड बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। पिछले साल दिसंबर में हेलिकॉप्टर क्रैश में जनरल बिपन रावत का निधन हो गया था।

थिएटर कमांड का मकसद तीनों सेनाओं एक छत के नीचे लाना

थिएटर कमांड का मकसद भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए तीनों सेनाओं को एक छत के नीचे लाना है। चार नए थिएटर कमांड बनाने पर बिपिन रावत काम कर रहे थे। रावत जिस थिएटर प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे, वो प्रोजेक्ट चीन और पाकिस्तान से आने वाले खतरों से निपटने में अहम रोल अदा करेगा।

दरअसल थिएटर कमांड्स का सबसे सही इस्तेमाल युद्ध के दौरान तब होता है, जब भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए तीनों सेना प्रमुखों के बीच तालमेल होती है. थिएटर कमांड्स से बनी रणनीतियों के अनुसार दुश्मन पर अचूक वार करना आसान हो जाता है. तीनों सेनाओं के संसाधनों और हथियारों का इस्तेमाल एक साथ किया जा सकता है.

सैन्य बल को एकजुट करने थिएटर कमांड की जरूरत

1999 में भारत ने पाकिस्तान के साथ कारगिल की जंग लड़ी। इसके बाद बनी कई समितियों ने थिएटर कमांड और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के पद की स्थापना के सुझाव दिए थे।

अभी देश में करीब 15 लाख सशक्त सैन्य बल है। इन्हें संगठित और एकजुट करने के लिए थिएटर कमांड की जरूरत है। एक साथ कमांड लाने पर सैन्य बलों के आधुनिकीकरण का खर्च कम हो जाएगा। किसी भी आधुनिक तकनीक का प्रयोग सिर्फ एक ही सेना नहीं करेगी, बल्कि उस कमांड के अंदर आने वाले सभी सैन्य बलों को उसका लाभ मिलेगा।

थिएटर कमांड से तीनों सेनाओं के होगी साझा रणनीति

थिएटर कमांड बनती है और आने वाले समय में कोई युद्ध होता है तो उसमें इसका फायदा मिल सकता है। अभी तक होता ये है कि युद्ध की स्थिति में तीनों सेनाएं अपने-अपने हिसाब से तैयारियां करती हैं और जरूरत पड़ने पर ही कोऑर्डिनेशन करती हैं, लेकिन थिएटर कमांड होगी तो तीनों सेनाएं मिलकर तैयारी और रणनीति बना सकते हैं. इतना ही नहीं, थिएटर कमांड होने से टेकनीक और हथियार भी आसानी से साझा किए जा सकते हैं.

देश में अभी हैं 17 कमांड्स

देश में अभी तीनों सेनाओं के अलग-अलग 17 कमांड्स हैं। सात थल सेना के पास, सात वायुसेना के पास और तीन नौसेना के पास। इसके अलावा एक स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड है जो परमाणु शस्त्रागार को सुरक्षा देता है और उसे संभालता है। इसकी स्थापना वर्ष 2003 में की गई थी। इनके अलावा देश में सिर्फ एक थिएटर कमांड है। इसकी स्थापना वर्ष 2001 में अंडमान-निकोबार में की गई थी।

चीन-पाक के लिए बिपिन रावत ने बनाया था प्लान

उल्लेखनीय है कि बिपिन रावत 4 थिएटर कमांड पर काम कर रहे थे। बिपिन रावत चीन और पाकिस्तान की हरकतों पर नजर रखने के लिए ये थिएटर कमांड बनाना चाहते थे। जून 2021 में आज तक को दिए इंटरव्यू में जनरल बिपिन रावत ने कहा था कि भारत 2022 तक थिएटर कमांड बना लेगा। उन्होंने कहा था कि हमारी समुद्री सीमाएं बहुत बड़ी हैं। जम्मू-कश्मीर और एलएसी की सीमाएं अनसुलझी हैं, इसलिए हमने लैंड बेस्ड कमांड तैयार किया है। पूर्वी और पश्चिमी थिएटर पर ध्यान दिया जाएगा।

अमेरिका, चीन सहित इन देशों में भी हैं थिएटर कमांड्स

अमेरिका में अभी कुल मिलाकर 11 थिएटर कमांड्स हैं। इनमें से 6 पूरी दुनिया को कवर करते हैं। वहीं, चीन के पास भी 5 थिएटर कमांड्स हैं। चीन भारत को अपने पश्चिमी थिएटर कमांड के जरिए हैंडल करता है। इसी कमांड से वो भारत-चीन सीमा पर निगरानी रखवाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मुसीबत में पाकिस्तान

पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल जरदारी भुट्टो ने एक अमेरिकी टीवी को दिए इंटरव्यू में साफगोई से स्वीकारा है कि उनका मुल्क इस वक्त चौतरफा मुसीबतों से घिरा है। बकौल बिलावल, 'पाकिस्तान न सिर्फ राजनीतिक ध्रुवीकरण के दौर में है, बल्कि सुरक्षा और आर्थिक संकट से भी जूझ रहा है।' वाकई पाकिस्तान गहरे संकट में है। एक ओर, सरकारी तोहफों को निजी हित के लिए बेचने के आरोप में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी को लेकर राजनीतिक अराजकता की स्थिति है, तो दूसरी तरफ आईएमएफ उसे और कर्ज देने से आनाकानी कर रहा है। फिर अफगानिस्तान से लगी सीमा पर उसे तालिबान के बदले तेवर का भी मुकाबला करना पड़ रहा है। फौज और नागरिक सत्ता में तनाव अब खुलकर सामने है। ऐसे में, पाकिस्तान को कर्ज देने के मामले में आईएमएफ का सावधान होना लाजिमी है। ब्योरे हैं कि इमरान खान को गिरफ्तार करने गई पुलिस और उनके समर्थकों की शुरुआती झड़पों में ही 60 से भी अधिक लोग जख्मी हो गए। ऐसे में, कल क्या होगा, इसका अंदाज लगाना मुश्किल नहीं। तब तो और, जब इमरान अपनी हत्या का अंदेशा जताते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं व समर्थकों से सड़कों पर उतरने का आह्वान कर रहे हैं! यह किसी से छिपा नहीं है कि पाकिस्तान एक परमाणु संपन्न देश है। उसकी दिन-ब-दिन बिगड़ती स्थिति पूरी दुनिया, खासकर भारतीय उप-महाद्वीप के लिए चिंता की बात होनी चाहिए। बिलावल भुट्टो जब खुद सुरक्षा चुनौतियों के बढ़ने की बात कर रहे हैं, तब पाकिस्तानी परमाणु हथियारों की सुरक्षा को लेकर दुनिया को बहुत सतर्क होने की जरूरत है। अभी ज्यादा वर्ष नहीं बीते हैं, जब ट्रंप प्रशासन ने यह साफ-साफ कहा था कि पाकिस्तान आतंकियों को पनाह देता है। अमेरिकी सुरक्षा विशेषज्ञ स्टीफन टैंकल ने तो यहां तक कहा था कि पाकिस्तानी परमाणु हथियारों के आतंकियों के हाथों में जाने का खतरा है। सरहदी इलाकों में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान की जिस तरह पकड़ बनी है और उसने हाल में जैसे हमले किए हैं, उनसे टैंकल की आशंकाओं को बल मिलता है। इस परिदृश्य में तमाम पड़ोसी देशों को अपनी सुरक्षा व्यवस्था पर नए सिरे से गौर करना होगा। किसी भी समस्या के हल की पहली शर्त है कि उसे सर्वप्रथम स्वीकारा जाए और फिर समाधान की दिशा में गंभीर पहल की जाए। क्या पाकिस्तानी हुक्मरां वाकई आत्मचिंतन करने को तैयार हैं कि सिर्फ दहशतगर्दी और दहशतगर्दों की हिमायत ने उन्हें इस हाल में पहुंचाया है? अगर वे ईमानदारी से इसे कुबूल करते हुए आगे बढ़ें, और पड़ोसी देशों को एतमाद में लें, तो उनके साथ-साथ यह समूचे दक्षिण एशिया के हित में होगा। दुर्योग से, पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान का रवैया ईमानदारी भरा नहीं, जबकि उसके सामने नजीर है कि बांग्लादेश ने कट्टरपंथियों और आतंकियों की नकेल कसकर कैसे तरक्की की सीढ़ियां चढ़ीं! पाकिस्तानी 'डीप स्टेट' को अब यह मानना चाहिए कि उसकी आर्थिक संपन्नता, राजनीतिक स्थिरता और सरहदी सुरक्षा कुटिल छद्म युद्धों से पोषित नहीं हो सकती। भयंकर महंगाई और गुरबत से पाकिस्तानियों की मुक्ति चीन और सऊदी अरब की फौरी इमदाद से भी अब संभव नहीं है। उसे अपने पैरों पर खड़ा होने की जरूरत है, और इसके लिए अपनी घरेलू राजनीति व विदेश नीति को उसे ठोस वैश्विक हकीकतों की धरातल पर गढ़ना होगा।

सूचना क्रांति का युग और अफवाह तंत्र

(लेखक- कुमार कृष्णन)

सूचना क्रांति के युग में इस तरह की अफवाहों को फैलने से रोकने और समय रहते वास्तविक तथ्य सार्वजनिक करने के प्रयास होने चाहिए। सूचना क्रांति अर्थात इनफॉरमेशन। लेकिन गलत जानकारियों की विपुलता है। तमिलनाडु में बिहार के श्रमिकों के साथ किसी भी तरह का कथित अप्रिय घटनाक्रम अस्वीकार्य है, लेकिन इस मुद्दे को लेकर जिस तरह की राजनीति की जा रही है वह दुर्भाग्यपूर्ण है। इस मुद्दे पर ज्वलनशील सोशल मीडिया की भूमिका पर भी सवाल उठे हैं, जिसमें पुराने वीडियो वायरल करके उन्हें ताजा घटनाक्रम से जोड़ा गया। तमिलनाडु में बिहार के लोगों के साथ मारपीट व हत्या की अफवाह इतनी तेजी से फैली कि बिहार के कामगार बड़ी संख्या में वापस लौट आए। इस अफवाह के फैलने में मीडिया, सोशल मीडिया और राजनीतिक पार्टियों व नेताओं की बड़ी भूमिका रही। एक के बाद एक कई झूठे वायरल वीडियो ने आग में घी डालने का काम किया। हालांकि, बिहार और तमिलनाडु सरकार ने बेहतरीन आपसी तालमेल से वास्तविक स्थिति को सामने लाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। फैक्टचेकर्स की मेहनत से भी साफ हो गया कि जान-बूझ कर तमिलनाडु में बिहार के कामगारों पर हमले की अफवाह फैलाई गई। बड़ा सवाल यह है कि ये अफवाहें किसने और क्यों फैलाईं? वैसे यह संयोग ही है कि भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाय.चंद्रचूड़ ने हाल ही में एक कार्यक्रम में कहा था कि आज हम एक ऐसे युग में रहते हैं, जहां लोगों में धैर्य और सहिष्णुता की कमी है, क्योंकि वे ऐसे नजरिये को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं, जो उनके नजरिये से अलग हो। झूठी खबरों के दौर में सच शिकार बन गया है। सोशल मीडिया के प्रसार के साथ ही जो कुछ भी एक बीज के रूप में कहा जाता है, वह असल में एक पूरे सिद्धांत में अंकुरित हो जाता है, जिसका कभी तर्कसंगत विज्ञान की कसौटी पर परीक्षण नहीं किया जा सकता है। इधर मुख्य न्यायाधीश सच के शिकार बनने के खतरे के बारे में बता रहे थे और उधर सच सोशल मीडिया पर झूठ का शिकार बन रहा था। वैसे तो केंद्र सरकार ने भी बीते समय में फेक न्यूज पर सख्ती बरतने के उपाय किए हैं। लेकिन फिर भी सोशल मीडिया पर झूठ का जो खुला खेल खेला जा रहा है, उस पर लगाम नहीं लग रही है। पिछले कुछ दिनों से बहुत से लोगों ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इस बात पर चिंता व्यक्त की कि बिहार के प्रवासी मजदूरों को तमिलनाडु में प्रताड़ित किया जा रहा है। दरअसल सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें एक व्यक्ति ट्रेन के भीड़ भरे डिब्बे में हिंदी बोलने वाले प्रवासी मजदूरों को मौखिक और शारीरिक तौर प्रताड़ित करता नजर आया। यह व्यक्ति प्रवासन के कारण तमिलनाडु के मूल निवासियों के लिए नौकरी के अवसरों के कम होने के बारे में बात करता है और मजदूरों को घूंसे एवं थप्पड़ मारता है। रेलवे पुलिस ने आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार भी कर लिया। लेकिन इसके बाद तमिलनाडु में प्रवासी मजदूरों पर हमलों के संबंध में भ्रामक सूचनाएं फैलने लगीं। कई भ्रामक रिपोर्ट के बाद

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बताया कि उन्होंने बिहार पुलिस से मामले पर नजर रखने कहा है। बिहार प्रशासन की एक टीम तमिलनाडु भी पहुंची ताकि स्थिति का आकलन कर सके। खबरें फैलाई गईं थी कि बिहार के ज्यादातर मजदूर समस्याओं के कारण तमिलनाडु से जा रहे हैं। लेकिन बिहार के अधिकारियों के मुताबिक अधिकतर लोग होली के लिए घर जा रहे थे। तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक सिलेंद्र बाबू ने बिहार के पुलिस महानिदेशक को बताया कि ऐसी कोई हिंसा नहीं हो रही है। बिहार के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के जे एस गंगवार मुताबिक कुछ पुराने व्यक्तिगत विवादों के वीडियो शूट किए गए थे और यह कहते हुए पोस्ट किए गए थे कि यह बिहार के लोगों के खिलाफ हैं। तमिलनाडु पुलिस कड़ी कार्रवाई कर रही है और तमिलनाडु में बिहारी लोगों को सुरक्षा प्रदान कर रही है। इस बीच तमिलनाडु प्रशासन 30,000 प्रवासी श्रमिकों या अतिथि श्रमिकों तक पहुंच बना रहा है। कुल मिलाकर हालात सामान्य हैं। लेकिन सोशल मीडिया पर फैली इस खबर ने तनाव तो पैदा कर ही दिया था। एक अखबार ने 15 बिहारी प्रवासी मजदूरों ने जान से मारने की धमकी मिलने का दावा किया है। यहां तक आरोप लगाया था कि केवल हिंदी बोलने के चलते बिहार के कामगार तमिलनाडु में तालिबान जैसे हमलों का सामना कर रहे हैं। ट्विटर पर भी कुछ लोगों ने ऐसी ही सूचनाएं डालीं। जिसके बाद तमिलनाडु पुलिस ने कुछ लोगों पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 153ए (विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देना), 505 (आई)(बी) (जनता में भय पैदा करने का मकसद) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 56(डी) के तहत आरोप लगाए हैं। इसके अलावा तमिलनाडु पुलिस ने रविवार को राज्य में उत्तर भारत के प्रवासी कामगारों पर हमले के बारे में अफवाह फैलाने के बाद कथित तौर पर हिंसा भड़काने और दो समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने के लिए राज्य के भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई पर भी केस दर्ज किया है। केस दर्ज होने के बाद के. अन्नामलाई ने एक ट्वीट में डीएमके को अगले 24 घंटों के भीतर उन्हें गिरफ्तार करने की चुनौती दी। भाजपा नेता ने कहा कि आपको लगता है कि आप झूठे मामले दर्ज कर लोकतंत्र को दबा सकते हैं। मैं आपको 24 घंटे का समय देता हूं, मुझे छूने की हिम्मत करके दिखाओ।

अगर इस तरह चुनौतियों से कानून व्यवस्था चले तो वह किस हाल में पहुंचेगी, यह समझा जा सकता है। बहरहाल, यहां मसला ये नहीं है कि तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष को छूने की हिम्मत सरकार किस तरह दिखाती है। मसला ये है कि किस तरह बिना पुष्टि के गलत खबर को प्रसारित करने के कारण न केवल हालात संवेदनशील बन गए, बल्कि दो राज्यों के बीच टकराव की गुंजाइश भी बन गई। ये तो अच्छी बात है कि बिहार पुलिस और तमिलनाडु पुलिस ने सूचनाओं को साझा कर, एक-दूसरे के साथ सहयोग कर सच्चाई का खुलासा किया।

लेकिन अगर यह गलतफहमी बनी रहती तो स्थिति मुश्किल हो सकती थी। कश्मीर, असम, महाराष्ट्र ऐसे कई राज्यों में प्रवासी मजदूरों के साथ या भाषा के नाम पर हिंसा अतीत में हो चुकी है। मजदूर तो रोटी की जुबान ही जानते हैं और रोजगार की तलाश में देश के एक कोने से दूसरे कोने तक भटकते हुए, जहां काम मिल जाए, वही उनका घर बन जाता है। अगर सरकारें चुनावी घोषणापत्र के अलावा भी रोजगार के मुद्दे पर गंभीरता से बात करें, तो फिर अपनी जमीन से उखड़ कर दूसरी जगह रोजगार के लिए किसी को नहीं जाना पड़े। सरकारों की नाकामियों का बोझ मजदूर उठाते हैं और सोशल मीडिया पर फैलाई गई भ्रामक खबरें भी उनके पेट पर लात ही साबित होंगी।

तमिलनाडु और बिहार के बीच विवाद बनते-बनते रह गया। दोनों ही राज्यों में गैर भाजपाई सरकारें हैं और सत्तारुढ़ गठबंधन में कांग्रेस छोटे भागीदार के तौर पर शामिल है। 2024 में भाजपा के खिलाफ जो संभावित गठबंधन कांग्रेस के नेतृत्व में बन सकता है, उसमें जदयू, राजद, द्रमुक सभी के साथ आने की संभावना है। ऐसे में इन दोनों राज्यों के बीच तनाव कायम करने की कोशिश का 2024 के चुनावों से भी कोई संबंध हो सकता है क्या, इस पर विचार करना चाहिए। साथ ही हमें सोशल मीडिया के जरिये फैलायी जाने वाली अफवाहों पर रोक के लिये गंभीर प्रयास करने होंगे। हम यह भी ध्यान रखें कि तमिलनाडु के तटीय इलाकों में मछली उद्योग, चेन्नई के कारोबार व कंस्ट्रक्शन उद्योग में बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिक काम कर रहे हैं। यहां तक कि तिरपुर के वस्त्र उद्योग में करीब तीन लाख प्रवासी श्रमिक काम कर रहे हैं। ऐसे विवादों से देश की अर्थव्यवस्था को गति देने वाले उद्योगों पर घातक असर पड़ सकता है।

आज का राशीफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है।

चिंता की बात है अल-नीनो की वापसी

तापमान से बाधित वर्षाचक्र/ ज्ञानेन्द्र रावत

तापमान में दिनोदिन हो रही बढ़ोतरी बेहद चिंता का विषय है। इससे देश के कुछ हिस्सों में हीट वेव जैसे हालात बन रहे हैं, वहीं भारतीय समुद्र पहले के मुकाबले ज्यादा गर्म हो रहा है। इससे मानसून के पहले, मानसून के दौरान और बाद में भीषण बारिश की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। दरअसल, समुद्र में उठने वाली तेज लू की लहरें भविष्य में इस समस्या को और विकराल बना देंगी। नेचर पत्रिका में प्रकाशित एक शोध रिपोर्ट के अनुसार 1870 से लेकर अब तक भारतीय समुद्र के औसत तापमान में 1.4 डिग्री की बढ़ोतरी हो चुकी है, जो दूसरे समुद्र के मुकाबले ज्यादा है। दरअसल, समुद्रीय तापमान में बढ़ोतरी से समुद्री हीट वेव में तेजी आ रही है। असलियत में बारिश की तेजी की घटनाएं गंभीर होती जा रही हैं। इसका सामना देश के 27 राज्य और 75 फीसदी जिले करने को विवश हैं। यह सभी हॉटस्पॉट बन चुके हैं। यही नहीं, उनकी तकरीबन 63.8 करोड़ आबादी इस जोखिम का सामना कर रही है। इन राज्यों के 10 में से 8 भारतीय इस जोखिम का सामना करने को अभिशप्त हैं। शोध-अध्ययन के दौरान तकरीबन 30 हजार हीट वेव रिकार्ड की गयीं। रिपोर्ट की मानें तो साल 2000 से पहले कोई भी हीटवेव अमूमन 50 दिनों के भीतर समाप्त हो जाती थी लेकिन 2000 के बाद इसमें बदलाव आया और अब इसका समय बढ़कर 50 के बजाय 250 दिन के करीब हो चुका है जो मानसून पर असर डाल रही हैं। दरअसल, जब मैदानी क्षेत्रों का तापमान 40 डिग्री को पार कर जाता है तो हीट वेव आती है। पर्वतीय इलाकों में जब तापमान 30 डिग्री हो जाता है, रात का तापमान 40 से अधिक हो और तटीय इलाकों में 37 डिग्री से अधिक होता है तब हीट वेव की स्थिति मानी जाती है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएन पाण्डेय के अनुसार यह खतरनाक स्थिति है। मार्च में भी यही स्थिति रहने का अंदेशा है जो खतरनाक संकेत है। पहाड़ी राज्यों के निचले इलाकों में अधिकतम तापमान वृद्धि की दर 10 से 11 डिग्री दर्ज की गयी है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार वैश्विक तापमान में वृद्धि अल-नीनो की वापसी की संभावना को बल प्रदान करती है। डब्ल्यूएमओ की मानें तो ला-नीना के तीन सालों तक लगातार सक्रिय रहने के कारण दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में तापमान बढ़ोतरी और बारिश के चक्र में असाधारण रूप से काफी बदलाव आया है। दरअसल ला-नीना भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर की सतह में निम्न हवा के दबाव बनने की स्थिति में बनता है। यह एक प्रतिसागरीय धारा होती है जो पश्चिमी प्रशांत महासागर में तब पैदा होती है जबकि पूर्वी प्रशांत महासागर में अल-नीनो का असर खत्म हो जाता है। ऐसी स्थिति में समुद्र की सतह का तापमान कम हो जाता है। दरअसल, ला-नीना के दौरान उष्णकटिबंधीय प्रशांत द्वारा गर्मी को सोखा की तरह सोख लिया जाता है। इससे पानी का तापमान बढ़ता है। यही गर्म पानी अल-नीनो प्रभाव के दौरान पश्चिमी से पूर्वी प्रशांत तक बहता है। दरअसल, ला-नीना के तीन दौर गुजरने का सीधा मतलब यह है कि गर्म पानी की मात्रा चरम पर है। जहां तक अल-नीनो का सवाल है, यह उष्णकटिबंधीय प्रशांत के भूमध्यीय क्षेत्र के समुद्र के तापमान और वायुमंडलीय परिस्थितियों में होने वाले बदलाव के लिए जिम्मेदार समुद्री घटना है, जिससे समुद्री सतह का तापमान बढ़ जाता है। इसकी मार्च से मई महीने के बीच दक्षिणी दोलन यानी ईएनएसओ में तटस्थ स्थिति में 90 फीसदी आगे बढ़ने की संभावना है। वजह है प्रशांत महासागर क्षेत्र में भारतीय मानसून की दृष्टि से उपयुक्त माने जाने वाले ला-नीना का प्रभाव का खत्म होना है। नेशनल ओसियन एण्ड एटमास्फेयरिक एडमिनिस्ट्रेशन यानी नोवा के अनुसार ला-नीना का अल-नीनो में रूपांतरण अप्रैल तक चलेगा जो 21वीं सदी में हुई पहली पुनरावृत्ति है। यह अब तक का चलने वाला सबसे लम्बा दौर भी है जिसका तीसरी बार पड़ना एक दुर्लभ और विलक्षण घटना है। इसको 'ट्रिपिल डिप' ला-नीना के नाम से भी जानते हैं। इसका असर 1950 से अभी तक केवल दो ही बार 1973 से 1976 और 1998 से 2001 के बीच ही पड़ा है। इस बार इसका असर अप्रैल तक होगा जो 80 फीसदी तक असर डालेगी। मई से जुलाई तक इसमें बढ़ोतरी होगी। इस दौरान देश के 60 फीसदी हिस्से में कम बारिश की आशंका है। गौरतलब है कि तापमान में बढ़ोतरी और बारिश के चक्र में आये बदलाव के कारण न केवल समुद्र में हलचल बढ़ रही है, सूखे की संभावना बलवती हो रही है। यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन के शोध-अध्ययन में कहा गया है कि जंगल से लेकर समुद्र तक इंसान और जानवरों के बीच संघर्ष जारी है। कारण जलवायु परिवर्तन से हर जीव-जंतु का जीवन प्रभावित हो रहा है। खाने और पानी का संकट भी भयावह रूप लेता जा रहा है। तापमान में बेतहाशा बढ़ोतरी और बारिश में बढ़ता असंतुलन खतरनाक संकेत है जिसका समाधान बेहद जरूरी है।

विचार मंथन

अपने ही बुने मकड़जाल में फंसती जा रही है भाजपा

(लेखक-सनत जैन)

संसद के बजट सत्र का दूसरा सत्र शुरू हो गया है। लेकिन एक दिन भी संसद की कार्यवाही मे कोई काम नहीं हो पाया। सत्ता पक्ष ने राहुल गांधी से माफी मांगने की मांग पर संसद में हंगामा बरपा रखा है। वहीं विपक्ष ने भी हिंडन बर्ग की रिपोर्ट के आधार पर अडानी समूह की गड़बड़ियों की जांच को मुद्दा बनाकर संसद मैं हंगामा कर संसद के दोनों सदनों को अखाड़े के रूप में तब्दील कर दिया है। लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति अब सदन के अध्यक्ष हों, ऐसा लगता नहीं है। वह सत्ता पक्ष के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करते हुए नजर आते हैं। दोनों सदनों के अध्यक्ष और सभापति का विपक्ष के ऊपर कोई प्रभाव नहीं दिखता है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है कि लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति संसद मे दंड प्रक्रिया के तहत विपक्ष को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे विपक्ष अब पूरी तरह से आक्रमक होकर आर-पार की लड़ाई लड़ने के मूड में आ गया है। जिसके कारण एक बार फिर 1975 जैसी स्थितियां देश में निर्मित होने लगी हैं। राज्यसभा में सरकार के 26 विधेयक और लोकसभा में 9 विधेयक लंबित हैं। सरकारी कामकाज भी नहीं हो पा रहा है। सदन को चलाने मे सत्ता पक्ष में भी कोई प्राथमिकता नहीं दिखती है। सत्तापक्ष भी संसद के दोनों सदनों में विपक्ष की तरह नारेबाजी और अपनी जिद में अड़ा हुआ है। जिसको लेकर स्थितियां और भी खराब होती जा रही हैं। राहुल गांधी के ब्रिटेन दौरे पर उन्होंने जो बातें कही हैं। उसको लेकर विपक्ष ने पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली के व्यक्तत्व का उदाहरण देते हुए, स्पष्ट कर दिया है, कि जो बातें राहुल गांधी ने कहीं हैं। उसके पहले जब वर्तमान सत्ता पक्ष विपक्ष में था। तब विदेश में जाकर इस तरह की बातें करते थे। इसे कभी भी देश के सम्मान या राष्ट्रद्रोह से नहीं जोड़ा गया। प्रमाणिक तौर पर अरुण जेटली के कथन का उदाहरण प्रस्तुत किए जाने के बाद भी सत्ता पक्ष मानने के लिए तैयार नहीं है। वह राहुल गांधी से सदन में माफी मंगवाने पर अड़ा हुआ है। इसी तरह विपक्ष भी हिंडन बर्ग की रिपोर्ट के बाद अडानी के खिलाफ जेपीसी की मांग पर अड़ा हुआ है। ईडी द्वारा विपक्षी नेताओं के परिवारों पर निरंतर जो छापे जेपीसी की मांग के बाद डाले गए हैं। उसने भी विपक्ष को एहसास करा दिया है, कि सरकार अडानी मामले की जांच नहीं कराने, तथा विपक्षी नेताओं पर दबाव बनाने के लिए ईडी और सीबीआई का इस्तेमाल कर रही है। विपक्ष के नेता भी अपने बचाव के लिए अब हर स्तर पर निपटने के लिए तैयार हो गए हैं। विपक्षी दलों ने सरकार के इस कथन पर कि ईडी स्वतंत्र तरीके से काम करती है। इसको लेकर अब केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय को भी सीधे निशाने पर ले लिया है। विपक्षी सांसद एकजुट होकर केंद्रीय पर्यटन निदेशालय के पास शिकायतों का प्रमाणिक दस्तावेज लेकर पहुंचे। ईडी कार्यालय में जाने से पुलिस ने रोक दिया। धारा 144 लगा दी। विपक्ष की रणनीति में अब ईडी और सीबीआई को घेरने की तैयारी कर ली है। सारा विपक्ष एकजुट है। जिसके कारण सरकार के साथ-साथ अब स्वतंत्र जांच एजेंसियाँ भी विपक्ष के निशाने पर आ गई हैं। देश में पहली बार सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही अपने अस्तित्व की लड़ाई संसद के अंदर और संसद के बाहर लड़ने के लिए विवश हो गए हैं। सांसद एक अखाड़े के रूप में तब्दील हो गई है। संसद के अंदर सत्ता पक्ष या विपक्ष अपने प्रतिद्वंदी को हराने के लिए हर दांव आजमा लेना चाहता है। अब देखना यह है कि इसमें जीत किसकी होती है। निश्चित रूप से सत्तापक्ष ताकतवर होता है। लेकिन जिस तरह दांव पेंच विपक्ष आजमा रहा है। उससे सत्ता पक्ष स्वयं अपने ही दांव पेंच में फँसता हुआ नजर आ रहा है। एक बार फिर देश में 1975 जैसी स्थितियां निर्मित हो गई हैं। जहां आपातकाल के जरिए पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपने आपको बचाने का प्रयत्न किया था। उस समय भी सारा विपक्ष एकजुट होकर इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री पद से हटाने के लिए संकल्पित था। इस बार अडानी के खिलाफ जेपीसी की मांग और ईडी की कार्रवाई को लेकर विपक्ष एकजुट और आक्रमक होकर, अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ता हुआ दिख रहा है। इस स्थिति को देखते हुए सारा देश चिंतित है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फरवरी में भारत का निर्यात गिरकर 33.88 अरब डॉलर

नई दिल्ली । भारत का निर्यात फरवरी 2023 में 8.8 प्रतिशत कम होकर 33.88 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले साल की इसी अवधि में 37.15 अरब डॉलर दर्ज किया गया था। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार हालांकि, फरवरी में देश का व्यापार घाटा 17.43 अरब डॉलर तक सीमित हो गया। यह लगातार तीसरा महीना है, जब निर्यात गिरा है। आयात भी पिछले साल इसी महीने में दर्ज 55.9 अरब डॉलर की तुलना में 8.21 प्रतिशत घटकर 51.31 अरब डॉलर रह गया। हालांकि इसी समय चालू वित्तवर्ष 2022-23 की अप्रैल-फरवरी अवधि के दौरान, देश का कुल व्यापारिक निर्यात 7.5 प्रतिशत बढ़कर 405.94 अरब डॉलर हो गया। आधिकारिक आंकड़ों से पता चला है कि चालू वित्तवर्ष की अप्रैल-फरवरी अवधि के दौरान आयात भी 18.82 प्रतिशत बढ़कर 653.47 अरब डॉलर हो गया। भारत ने 2022-23 में 750 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य रखा है, जो 2021-22 में दर्ज 676 अरब डॉलर के निर्यात से 11 प्रतिशत अधिक है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि 2022-23 में अब तक निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि पेट्रोलियम उत्पादों और इलेक्ट्रॉनिक सामानों की बिक्री से हुई है। चालू वित्तवर्ष में मोबाइल निर्यात में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो जनवरी के ओ खिर तक 8.3 अरब डॉलर तक पहुंच गया है।

इस महीने के आ खिर तक जारी हो सकती है एफटीपी

मुंबई । सरकार इस महीने के ओ खिर तक नई पंचवर्षीय विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) जारी कर सकती है। एक शीर्ष अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि नयी नीति का मकसद वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात को बढ़ावा देना है। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि मंत्रालय ने एफटीपी के विभिन्न पहलुओं पर गौर किया है और यह नीति मूल रूप से विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं का संग्रह है। नई विदेश व्यापार नीति में दूरदृष्टि के पहलू को भी जोड़ा गया है, क्योंकि मंत्रालय 2030 तक माल और सेवाओं के निर्यात को 2,000 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य बना रहा है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा` कि इसलिए हमने इस ढांचे के भीतर अपना एफटीपी तैयार किया है और हम उम्मीद कर रहे हैं कि यह इस महीने के अंत तक जारी हो जाएगा। एफटीपी का मकसद निर्यात बढ़ाकर आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन को गति देना है।

राजस्थान सरकार को लेखा स्थापित प्रणाली समाप्त नहीं करनी चाहिए: कैग

मुंबई । नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) गिरीश चंद्र मुर्मू ने उम्मीद जताई कि राजस्थान सरकार लेखा की सुस्थापित कोषागार प्रणाली को समाप्त नहीं करेगी क्योंकि ऐसा करने पर लेखा तैयार करने और उसके सत्यापन की प्रणाली के साथ-साथ केंद्र द्वारा राज्य को कोष स्थानांतरित करने की व्यवस्था भी गड़बड़ा जाएगी। मुर्मू ने कहा कि इसके अलावा, संविधान के प्रावधानों के अनुसार, लेखा प्रारूप कैग के परामर्श से केवल राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित किया जा सकता है। गौरतलब है कि राजस्थान सरकार लेखांकन की वर्तमान कोषागार प्रणाली को समाप्त करने और स्वतंत्र रूप से भुगतान एवं लेखा कार्यालय शुरू करने पर विचार कर रही है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक मुर्मू ने कहा कि संविधान के अनुसार लेखा मानक एवं लेखा प्रारूप का निर्धारण कैग के साथ विचार-विमर्श करके राष्ट्रपति ही करते हैं। मेरा खयाल है कि राज्य सरकार संविधान के इस प्रावधान पर गौर करेगी। हमें उम्मीद है कि बिना उचित विचार-विमर्श के ऐसा कुछ नहीं होगा। उन्होंने कहा कि देश में लेखा की कोषागार प्रणाली अच्छी तरह से स्थापित है और इसमें किसी भी प्रकार का बदलाव करने पर लेखा तैयारी, सत्यापन और केंद्र सरकार द्वारा कोष का स्थानांतरण की व्यवस्था गड़बड़ा सकती है। निजी कंपनियों के लेखा जांच की संभावना के बारे में मुर्मू ने कहा कि कैग केवल सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और निगमों का लेखा-जोखा ही देखता है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।(एजेंसी)

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को हल्की बढ़त पर बंद हुए। दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही साप्ताहिक एक्सपायरी के दिन बाजार में उथल-पुथल बनी रही। आज कारोबार के दौरान एएफएमसीजी, संपत्ति और उर्जा शेयरों में बढ़त दर्ज की गयी जबकि फार्मा और पीएसई इंडेक्स भी उछाल के साथ बंद हुआ। वहीं मेटल और आईटी शेयरों में बिकवाली देखने में आई। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 78.94 अंक करीब 0.14 फीसदी ऊपर आकर 57,634.84 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 13.40 अंक तकरीबन 0.08 फीसदी उछलकर 16,985.60 के स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 19 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। नेस्ले, एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान युनिलिवर, टाइटन और सन फार्मा सेंसेक्स के शीर्ष 5 लाभ वाले शेयर रहे। सबसे अधिक लाभ नेस्ले के शेयरों को हुआ। इसके शेयर करीब 2.54 फीसदी तक उछले। इसके अलावा एसबीआई, पावर ग्रिड, बजाज फिनसर्व, टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में भी बढ़त आई। दूसरी तरफ सेंसेक्स के शेयरों में से 11 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक, भारती एयरटेल, इंफोसिस, और विप्रो सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसाना वाले 5 शेयर रहे। इसके अलावा टाटा स्टील के शेयरों भी काफी गिरे। इनमें करीब 3.31 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। इससे पहले गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। बाजार जानकारों के अनुसार वित्तीय बाजारों में जारी उतार-चढ़ाव के बाद भी भारतीय बाजार मजबूत बना हुआ है।

फॉक्सकान को एप्पल इंक से मिला एयर पोड का ऑर्डर

मुंबई । ताइवान की एपल सप्लायर फॉक्सकान को एप्पल इंक से एयरपोड बनाने का ऑर्डर मिला है। इसके लिए अब फॉक्सकॉन भारत में 200 मिलियन डॉलर (करीब 1,655 करोड़ रुपए) का निवेश करेगी। एक खबर के मुताबिक फॉक्सकॉन इस ऑर्डर के लिए भारत में प्लांट लगाएगी। हालांकि रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक एपल या फॉक्सकॉन ने इस खबर पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। बता दें कि फॉक्सकान दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक कॉन्ट्रैक्टर है जो कि 70 फीसदी आईफोन का निर्माण करती है। कंपनी को पहली बार एयरपोड के लिए ऑर्डर मिला है। एयरपॉड्स आमतौर पर चाइनीज मैन्युफैक्चर बनाते है। रिपोर्ट की मानें तो फॉक्सकॉन एयरपॉड निर्माण के लिए तेलंगाना में प्लांट लगाएगी। गौरतलब है कि भारत में एपल के प्रोडक्ट बनाने के लिए फॉक्सकान के अलावा और कंपनियां भी काम कर रही हैं। फॉक्सकॉन के नए प्लांट में प्रोडक्शन की शुरुआत 2024 के ओ खिर तक हो सकती है। इसके पहले इसी महीने की शुरुआत में भी एक रिपोर्ट आई थी जिसमें कहा गया था कि फॉक्सकान ग्रुप भारत में 700 मिलियन डॉलर करीब 5,740 करोड़ निवेश करेगा।

वैश्विक बैंकिंग संकट से बचने क्रेडिट सुइस को 54 बिलियन डॉलर की सहायता

मुंबई ।(एजेंसी)

यूरोप के सबसे बड़े बैंक क्रेडिट सुइस ने बैंकिंग संकट से निपटने के लिए 54 बिलियन डॉलर की वित्तीय मदद लेने की घोषणा की है। बैंक ने बताया कि वह स्विस नेशनल बैंक से 50 बिलियन स्विस फ़्रैंक यानी 54 बिलियन डॉलर तक उधार लेगा। एक खबर के मुताबिक बैंक ने कहा कि लिक्विडिटी को मजबूत करने के लिए ये एक निर्णायक कार्रवाई है। बता दें बुधवार को प्रमुख स्विस बैंक के शेयरों में 30 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई। जिसके बाद स्विस रेग्युलेटरी ने केंद्रीय बैंक द्वारा क्रेडिट सुइस को एक लिक्वि डिटी लाइफलाइन देने का वादा किया था। बता दें कि बुधवार को क्रेडिट सुइस के शेयर 30 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ बंद हुए। शेयरों में गिरावट का कारण रहा बैंक के सबसे बड़े शेयरहोल्डर का बैंक को समर्थन देने के लिए और निवेश करने से इंकार करना। बुधवार को स्टॉक एक्सचेंज ऑपरेटर द्वारा क्रेडिट सुइस के शेयरों में ट्रेडिंग को कई बार रोका गया। क्रेडिट सुइस के शेयर बुधवार की सुबह पहली बार 2 स्विस फ्रैंक से नीचे गिर गए। एक समाचार एजेंसी ने बताया कि सिलिकॉन वैली बैंक के डूबने और शेयर बाजार पर इसके प्रभाव के बीच, स्विट्ज़रलैंड को क्रेडिट सुइस पर हस्तक्षेप करने के लिए सरकार से दबाव का सामना करना पड़ रहा है।

अमेरिकी बैंक के बाद अब यूरोपीय बैंक क्रेडिट सुइस बैंक के डूबने की भविष्यवाणी!

बैंक का स्टॉक बीते कारोबारी दिनों में 24.24 फीसदी गिरा

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

बैंकिंग संकट अब केवल अमेरिका तक ही सीमित नहीं है, बल्कि ये यूरोप में भी गहराता जा रहा है। यूरोप के सबसे बड़े बैंकों में से एक क्रेडिट सुइस का हाल बदहाल है। एक दिन में ही इसके शेयर 25 फीसदी तक टूट गए। यही नहीं, महज तीन महीनों में आई गिरावट के चलते बैंक का स्टाक्स की कीमत एक तिहाई तक घट गई है। बीते कुछ समय से बैंक लगातार चुनौतियों का सामना कर रहा है। शेयरों की कीमत में लगातार आ रही कमी के चलते बैंक के शेयर होल्डर्स भी इसका साथ छोड़ने लगे हैं। स्विट्जरलैंड बेस्ड क्रेडिट सुइस बैंक में 9.9 फीसदी की हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़े शेयर होल्डर सऊदी नेशनल बैंक ने इसमें और इन्वेस्टमेंट करने से इनकार कर दिया है।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक क्रेडिट सुइस की खस्ता हालत के बीच इसमें निवेश को लेकर किए गए सवाल के जवाब में सऊदी नेशनल बैंक के चेयरमैन अम्मार-अल खुदैरी ने कहा कि हमारा जवाब ना है, हम किसी भी तरह का निवेश क्रेडिट सुइस में नहीं करेंगे। खुदैरी ने अपने कदम पीछे हटाने के लिए सबसे बड़ी वजह नियामकीय और वैधानिक चुनौतियों को बताया है। क्रेडिट सुइस बैंक की गिनती यूरोप ही नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे बड़े बैंकों में होती है। बैंक का स्टॉक बीते कारोबारी दिन 24.24 फीसदी की गिरावट के साथ 1.70 स्विट्जरलैंड करेंसी का रह गया। अमेरिका के बैंकिंग सेक्टर में आई सुनामी अब यूरोपीय बैंकों को भी अपनी जद में लेती जा रही है। इससे दुनियाभर के बैंकों पर प्रभाव देखने को मिल रहा है। यूएस में पहले सिलिकॉन वैली और फिर तुरंत बाद सिग्नेचर बैंक पर ताला लगा गया, जबकि करीब आधा दर्जन अन्य अमेरिकी बैंकों के बंद होने का खतरा बढ़ गया है। मीडिया के अनुसार वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भी फर्स्ट रिपब्लिक बैंक समेत कई वित्तीय संस्थानों को अंडर रिव्यू में रखा है। हालांकि, क्रेडिट सुइस बैंक की ओर से अभी भी ये कहा जा रहा है कि उसके पास पर्याप्त मात्रा में जमा राशि मौजूद है और बैंक के डूबने को कोई खतरा नहीं है, परंतु रॉबर्ट कियोस्की की भविष्यवाणी ने चिंता बढ़ा दी है। उन्होंने क्रेडिट सुइस के डूबने की आशंका जताई है। उल्लेखनीय है कि साल 2008 में कियोस्की ने ही सबसे पहले लेहमन ब्रदर्स के डूबने की भविष्यवाणी की थी और इसके धराशायी होने के बाद दुनिया भर ने आर्थिक मंदी का सामना किया था। भले ही क्रेडिट सुइस बैंक के बुरे दौर में उसके सबसे बड़े इन्वेस्टर सऊदी नेशनल बैंक ने किनारा कर लिया हो, लेकिन उसकी मदद के लिए अब स्विस नेशनल बैंक आगे आया है। रिपोर्ट के मुताबिक स्विस नेशनल बैंक ने क्रेडिट सुइस को 50 अरब डॉलर का लोन दिया है। ये शार्ट टर्म लोन की तरह दिया जाएगा। क्रेडिट सुइस की ओर से कहा गया कि वह 54 अरब डॉलर तक उधार लेकर अपनी तरलता को मजबूत करने के लिए प्रयासरत है।

गौतम अडानी ने एक दिन में एक अरब से ज्यादा कमाए

- मुकेश अंबानी ने एक दिन में 1.45 अरब डॉलर गंवाए

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

दिग्गज उद्योगपति गौतम अडानी ने एक बार फिर दुनिया के अमीरों की लिस्ट में छलांग लगा दी है। शेयर बाजार में भले ही गिरावट रही हो, लेकिन अडानी ने एक दिन में एक अरब से ज्यादा की कमाई कर ली है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक तम अडानी अब दुनिया के अमीरों की लिस्ट में फिर से 21वें नंबर पर पहुंच गए हैं। इसके पहले वो एक स्थान नीचे लुढ़कर 22वें नंबर पर पहुंच गए थे। अडानी टॉप 20 की दहलीज पर पहुंच गए हैं। अगर उनकी नेटवर्थ इसी तरह से बढ़ती रही तो वो जल्द ही टॉप 20 में भी शामिल हो जाएंगे। अमेरिकी रिसर्च फर्म की रिपोर्ट आने से पहले अडानी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हुआ करते थे। इस रिपोर्ट के आने के बाद अडानी ग्रुप के स्टाक्स में भारी गिरावट आ गई। इसी के साथ अडानी की नेटवर्थ भी गिरी थी और अडानी अरबपतियों की लिस्ट में टॉप 20 से भी बाहर हो गए थे। अब दोबारा अडानी की नेटवर्थ में तेजी देखने को मिल रही है। गौतम अडानी की नेटवर्थ में इजाफा हुआ है। अडानी की नेटवर्थ अब 55.5 अरब डॉलर हो गई है। वहीं हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के चलते अडानी को अभी 65.1 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। इधर अडानी की नेटवर्थ जहां बढ़ी है। वहीं मुकेश अंबानी को नुकसान हुआ है। अंबानी ने एक दिन में 1.45 अरब डॉलर गंवा दिए हैं। अंबानी अब अमीरों की लिस्ट में 12वें नंबर पर हैं। अंबानी की नेटवर्थ 76.8 अरब डॉलर है। बता दें कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद से अडानी ग्रुप के कई स्टॉक अभी अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। ग्रुप के कई शेयरों में रोजाना लोअर सर्किट देखने को मिलता रहा है।

हीरो इलेक्ट्रिक सालाना 10 लाख से ज्यादा वाहन तैयार करेगी

मुंबई । हीरो इलेक्ट्रिक लगभग 1,200 करोड़ रुपए के निवेश से राजस्थान में एक नया संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है, जिसकी सालाना उत्पादन क्षमता 20 लाख इकाइयों की होगी। हीरो इलेक्ट्रिक ने कहा कि वह अगले दो से तीन साल में भारत स्थित विनिर्माण इकाइयों से सालाना 10 लाख से ज्यादा वाहन तैयार करने लगेगी। कंपनी ने अपने अपने तीन इलेक्ट्रिक स्कूटर मॉडल के नए संस्करण पेश किए हैं, जिनकी कीमत 85,000 रुपये से 1.3 लाख रुपए के बीच है। हीरो इलेक्ट्रिक लगभग 1,200 करोड़ रुपए के निवेश से राजस्थान में एक नया संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है, जिसकी सालाना उत्पादन क्षमता 20 लाख इकाइयों की होगी। हीरो इलेक्ट्रिक के प्रबंध निदेशक नवीन मुंजाल ने कहा` कि देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए हमने अपने भागीदारों के साथ मिलकर काम किया है। इसके तहत, हमें यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि हम अपने कारखानों से सालाना 10 लाख से अधिक वाहन विनिर्माण करने के लिए तैयार हैं।

कच्चे तेल में गिरावट, नोएडा-गाजियाबाद में पेट्रोल और डीजल सस्ता

- ब्रेंट क्रूड 3 डॉलर से ज्यादा सस्ता होकर 74.73 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में फिर बड़ी गिरावट आई है और क्रूड 74 डॉलर के आसपास पहुंच गया है। गुरुवार को सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में भी बदलाव दिख रहा है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार गौतम बुद्ध नगर (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में पेट्रोल 17 पैसे सस्ता होकर 96.59 रुपए लीटर पहुंच गया है, जबकि डीजल यहां 17 पैसे गिरकर 89.76 रुपए लीटर बिक रहा है। गाजियाबाद में पेट्रोल 14 पैसे सस्ता हुआ और 96.44 रुपए लीटर हो गया है, जबकि डीजल 13 पैसे सस्ता होकर 89.62 रुपए लीटर बिक रहा है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 27 पैसे महंगा हुआ जो 107.74 रुपए लीटर हो गया है। डीजल 26 पैसे चढ़कर 94.51 रुपए लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल में करीब 3 डॉलर प्रति बैरल की गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड 3 डॉलर से ज्यादा सस्ता होकर 74.73 डॉलर प्रति बैरल बिक रहा है। डब्ल्यूटीआई का भाव भी साढ़े 3 डॉलर गिरकर 68.50 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.74 रुपए और डीजल 94.51 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.44 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

महिंद्रा थार मोस्ट पॉपुलर ऑफ रोड एसयूवी

- आपको भी पसंद आएगा नया अवतार

नयी दिल्ली ।(एजेंसी)

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा की थार इंडिया की मोस्ट पॉपुलर ऑफ रोड एसयूवी है। जानीमानी कंपनी मारुति सुजुकी ने भी एसयूवी को टक्कर देने के लिए हाल ही में 5 डोर जिम्नी को लॉन्च किया है। थार की तरह जिम्नी को लोग शानदार रिस्पॉन्स दे रहा है। लॉन्च होने से पहले इसकी बुकिंग 25,000 से ऊपर हो गई है। अब महिंद्रा के नए कदम ने मारुति की नींद उड़ा दी है।

दरअसल, महिंद्रा ने थार फोर-व्हील ड्राइव के लिए 2 नए कलर लॉन्च किए हैं। इसकी बदौलत एसयूवी पहले से ज्यादा खास हो गई है। महिंद्रा थार 4डब्ल्यूडी को अब एवरेस्ट व्हाइट और ब्लेजिंग ब्रॉन्ज कलर ऑप्शन में भी खरीदा जा सकता है। ये नए कलर ऑप्शन अब तक केवल 2डब्ल्यूडी मॉडल के लिए उपलब्ध थे। इसकी साथ अब महिंद्रा थार 4डब्ल्यूडी कुल 6 कलर में खरीदा जा सकता है, इसमें एवरेस्ट व्हाइट, ब्लेजिंग ब्रोंज, एक्वा मरीन, रेड रेज, नेपोली ब्लैक और गैलेक्सी ग्रे का ऑप्शन है।महिंद्रा ने इस महीने की शुरुआत में थार के 2डब्ल्यूडी मॉडल की कीमत में बढ़ोतरी की थी। सस्ते मॉडल के लॉन्च होने के 3 महीने बाद ही इसकी कीमत में रुपए 50,000 की बढ़ोतरी की गई है। थार खरीदने वालों के लिए रियर व्हील ड्राइव मॉडल को जनवरी 2023 में 9.99 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर लॉन्च किया गया था। महिंद्रा थार का रियर व्हील ड्राइव मॉडल 3 वेरिएंट्स में आता है।थार की सुविधाओं में एंड्राएड ऑटो और एप्पल कारप्ले के साथ सात इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, क्रूज कंट्रोल, एलईडी डीआरएलएस के साथ हैलोजन हेडलाइट्स, ऑटोमेटिक क्लाइमेट कंट्रोल और स्टीयरिंग-माउंटेड कंट्रोल शामिल हैं।

महिंद्रा थार में का इंटीरियर सरफेस ऐसा है जिसे आसानी से धोया जा सकता है। इसके अलावा जरूरत पड़ने पर इसकी छत को अलग भी कर सकते हैं। कीमत सिर्फ मैन्युअल गियरबॉक्स वाले मॉडलों पर बढ़ाई गई थी, जिनकी ज्यादा डिमांड है। देश में महिंद्रा थार की पॉपुलैरिटी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कंपनी के पास एसयूवी के 37,000 पेंडिंग ऑर्डर हैं। एसयूवी के लिए वेटिंग बढ़कर 4 महीने तक हो गई है। ग्राहक इसे जमकर खरीद रहे हैं।

गंभीर को रेडक्लिफ लैब्स ने फिर से ब्रांड एंबेसडर चुना

-भाजपा सांसद 2 साल के लिए ब्रांड एंबेसडर नियुक्त

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारत के पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर को रेडक्लिफ लैब्स ने ब्रांड एंबेसडर के रूप में फिर से चुन लिया है। गंभीर रेडक्लिफ लैब्स की बेहतर सेवाएं और उद्देश्य में गहरा विश्वास रखते हैं और अगले 2 वर्षों के लिए अपने ब्रांड एसोसिएशन को मजबूत करने का प्रयास करेंगे।रेडक्लिफ और गौतम गंभीर के बीच इस आपसी सहयोग के विस्तार के बाद गंभीर देशभर में कंपनी की हाई क्वालिटी डायग्नोस्टिक सेवाओं के समर्थन में प्रचार करेंगे और रेडक्लिफ लैब्स का ब्रांड एंबेसडर के तौर पर प्रतिनिधित्व करना जारी रखेंगे।गौतम गंभीर, भारतीय क्रिकेट कम्युनिटी और राजनीतिक जगत में एक प्रसिद्ध और सम्मानित व्यक्ति हैं और हमेशा अपनी विश्वसनीयता के लिए जाने जाते हैं और उनकी यही खूबियां उन्हें रेडक्लिफ लैब्स के लिए एकदम फिट बनाती है।

गौतम गंभीर की इन खूबियों से प्रेरणा लेकर रेडक्लिफ लैब्स भारतीय डायग्नोस्टिक्स सेक्टर में पूरे जोर और ऊर्जा के साथ क्रांति ला रहा है और सबसे भरोसेमंद, सस्ती और सुलभ प्रयोगशाला बना रहा है। रेडक्लिफ लैब्स के एमडी और संस्थापक धीरज जैन ने कहा, 'हम गौतम गंभीर के साथ अपने जुड़ाव को लेकर रोमांचित हैं, वे न केवल एक बेहतर क्रिकेटर हैं, बल्कि एक अच्छे व्यक्ति भी हैं।

उनके हमारी कंपनी के साथ जुड़ने से हमें और विश्वास है कि बाजार में हमारे ब्रांड की स्थिति मजबूत होगी।'

वहीं, गौतम गंभीर ने कंपनी के साथ अपने सहयोग को बढ़ाने पर उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, 'मुझे रेडक्लिफ लैब्स के साथ अपने जुड़ाव को जारी रखने में खुशी हो रही है, यह कंपनी हेल्थ सर्विस सेक्टर में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है और मैं उच्च गुणवत्ता प्रदान करने की उनकी प्रतिबद्धता से प्रभावित हूं।'

बता दें कि रेडक्लिफ लैब्स देश भर में 73 लैब और 1500+ कलेक्शन सेंटर्स की मदद से सेवाएं मुहैया कराता है।देश में बेहतर क्वालिटी डायग्नोस्टिक्स सर्विसेज मुहैया कराने के लिए रेडक्लिफ लैब्स प्रतिबद्ध है। कंपनी 2030 तक सभी आयु समूह के 500 मिलियन भारतीयों के लिए प्रमुख बीमारियों के लिए 3600+ परीक्षणों को कवर करने वाले अपने विशाल टेस्टिंग मेनू के माध्यम से हाई क्वालिटी डायग्नोस्टिक सर्विस प्रदान करने के मिशन पर है।

एप्पल के कर्मचारियों को देर से मिलेगा बोनस

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

अमेरिकी टेक दिग्गज और आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल के कर्मचारियों को बोनस में देरी कर रही है। इसके अलावा कंपनी लागत घटाने की कोशिशें कर रही है। एप्पल के कॉरपोरेट कर्मचारी को अब बोनस कम मिलेगा। इससे पहले कंपनी में आमतौर पर साल में डिवीजन के हिसाब से एक या दो बार अप्रैल और अक्टूबर में बोनस और प्रमोशन की प्रक्रिया होती थी लेकिन अब नई योजना के तहत अगले महीने यह नहीं होगा। इसके अलावा कंपनी हायरिंग भी बंद कर रही है। कंपनी अब किसी कर्मचारी के कंपनी छोड़ने पर खाली हुई जगह पर ही हायरिंग की स्ट्रैटजी अपना रही है। नई योजना के तहत एप्पल में इस बार सिर्फ एक बोनस-प्रमोशन होगा। सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग और सर्विसेज समेत कंपनी के अधिकतर डिवीजन पहले ही बोनस और प्रमोशन के लिए साल में एक बार वाले शेड्यूल में चले गए थे लेकिन ऑपरेशंस, कॉरपोरेट रिटेल और बाकी ग्रुप में कर्मचारियों ने अभी भी साल में दो बार वाले प्लान से चल रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वाराणसी में बनेगा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम

वाराणसी। अब वाराणसी में भी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बनने जा रहा है। इसके लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से जमीन की मैपिंग भी शुरू कर दी गयी है। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और सचिव जय शाह ने इस मामले को लेकर एक बैठक भी की है। माना जा रहा है कि डीपीआर और डिजाइन तैयार होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका शिलान्यास भी कर सकते हैं। यह स्टेडियम अगले साल तक बनकर तैयार हो जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस स्टेडियम को बनाने में करीब 400 करोड़ रुपये खर्च होंगे। अब तक उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने इसके लिए 120 करोड़ रुपये खर्च किए है, जिससे 32 एकड़ जमीन का अधिग्रहण हुआ है। इस स्टेडियम में 30 हजार लोग बैठकर खेल देख सकते हैं। इस काम को पूरा करने के लिए दो संस्थाओं का चयन होगा। एक संस्था इसके निर्माण का काम देखेगी जबकि दूसरी इसके लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र, नक्शे ,डिजाइन से जुड़े काम को देखगी। साल 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले इसे तैयार भी कर लिया जाएगा।

हार्दिक की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले एकदिवसीय में जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

मुंबई । (एजेंसी)

टेस्ट सीरीज में जीत से उत्साहित टीम इंडिया शुक्रवार को यहां मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले एकदिवसीय में भी जीत का सिलसिला बरकरार रखना चाहेगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला यहां वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच में दोनो ही टीमें बदली नजर आयेंगी। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा इस मैच में नहीं खेलेंगे। ऐसे में ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के पास टीम की कप्तानी रहेगी। वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ करेंगे। नियमित कप्तान पैट कमिंस के ऑस्ट्रेलिया से नहीं लौटने के कारण स्मिथ को ही इस सीरीज के लिए कप्तान बनाया गया है।

आंकडों पर नजर डालें तो वानखेड़े स्टेडियम में भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम हमेशा हावी रही है। इस मैदान पर दोनो टीमों के बीच अब तक कुल तीन बार मुकाबला हुआ है। इसमें भारतीय टीम को केवल एक मैच में जीत मिली थी। भारतीय टीम ने साल 2007 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया को यहां हराया था। वहीं अंतिम बार दोनो ही टीमों का सामना साल 2020 में हुआ था। साल 2020 में खेले गए एकदिवसीय मैच में टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से हराया था। ऐसे में अब भारतीय टीम इस मैदान पर अपना रिकार्ड बेहतर करने के इरादे से उतरेगी। कप्तान पांड्या भी इस मैच में जीत के साथ ही कप्तान के तौर पर अपने को साबित करना चाहेंगे। भारतीय टीम के लिए राहत की बात यह है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली लय में आ गये हैं। शुभमन गिल भी अच्छे फार्म में हैं। ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा भी गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम की बात करें तो सलामी बल्लेबाजी डेविड वार्नर और ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल की वापसी से वह बेहतर हुई है। इस मैच के लिए मौसम साफ रहने की उम्मीद है। यह पहला एकदिवसीय मैच दोपहर के 1 बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा, जिसके कारण खिलाड़ियों को गर्मी और उमस का सामना भी करना पड़ेगा। इस दौरान दिन का अधिकतम तापमान 31 डिग्री रहने की उम्मीद है जबकि न्यूनतम तापमान 24 डिग्री रहने की संभावना है। मैच में बारिश की कोई संभावना नहीं है।

दोनों टीमों का स्क्वाड-

भारत- हार्दिक पांड्या (कप्तान), युजवेंद्र चहल, ईशान किशन, रवींद्र जडेजा, विराट कोहली, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, अक्षर पटेल, केएल राहुल, शुभमन गिल, शार्दुल ठाकुर, उमरान मलिक, जयदेव उनादकट, वाशिंगटन सुंदर ,सूर्यकुमार यादव।

ऑस्ट्रेलिया- स्टीव स्मिथ (कप्तान) सीन एबॉट, एश्टन एगर, एलेक्स केरी, कैमरन ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मारनस लाबुस्चगने, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, झे रिचर्डसन, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वार्नर, एडम जम्पा।

अक्षर पटेल बने दिल्ली कैपिटल्स के उपकप्तान , वार्नर करेंगे कप्तानी

मुम्बई । (एजेंसी)

दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल आईपीएल 2023 के लिए ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को कप्तान बनाया है। वहीं अक्षर पटेल को उप-कप्तान की जिम्मेदारी मिली है। आईपीएल के 16 सत्र की शुरुआत इस माह के अंत में हो रही है। दिल्ली कैपिटल्स ने ट्वीट किया, डेविड वॉर्नर (कप्तान) और अक्षर पटेल (उप-कप्तान), आईपीएल 2023 में इन दो तेजतर्रार खिलाड़ियों के नेतृत्व में दिल्ली कैपिटल्स उतरने के लिए तैयार है। वार्नर के पास आईपीएल में पहले भी कप्तानी का अनुभव रहा है। वॉर्नर के नेतृत्व में ही सनराइजर्स हैदराबाद ने साल 2016 में आईपीएल खिताब जीता था। वॉर्नर का भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में प्रदर्शन हालांकि अच्छा नहीं रहा और वह एकदिवसीय सीरीज के जरिये लय हासिल करना चाहेंगे। वॉर्नर ने साल 2013 में दिल्ली डेयरडेविल्स के लिए दो मैचों में कप्तानी की है। दिल्ली कपिटल्स में डेविड वॉर्नर से पहले ऋषभ पंत कप्तान रहे हैं। उनकी कप्तानी में टीम ने 30 मैच, 16 जीते। इससे पहले श्रेयस अय्यर की कप्तानी में 41 मैच, 21 जीते। करुण नायर की कप्तानी में 3 मैच में से 2 जीते। जहीर खान 23 मैच में से 10 में जीते। वॉर्नर ने दिल्ली कैपिटल्स के लिए अब तक 69 मैचों में 1888 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 31.46 का रहा है।

लिवरपूल को हराकर रीयाल मैड्रिड चैम्पियन्स लीग के क्वार्टर फाइनल में

मैड्रिड । रीयाल मैड्रिड ने चैम्पियन्स लीग प्री-क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में लिवरपूल को 1-0 से शिकस्त देकर अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की की। मौजूदा चैम्पियन रीयाल मैड्रिड ने पहले चरण का मुकाबला 5-2 से जीता था। उसने कुल 6-2 की जीत के साथ बचाव का अपना अभियान जारी रखते हुए लगातार तीसरी बार अंतिम आठ में जगह बनाई। बुधवार को खेले गए मैच का इकलौता गोल करीम बेंजेमा ने किया। उन्होंने मैच के 79वें मिनट में विनिसियस जूनियर की मदद से यह गोल दागा। चैम्पियन्स लीग के नॉकआउट चरण के पिछले आठ मैचों में यह उनका 13वां गोल था। मैड्रिड ने पिछले साल फाइनल में भी लिवरपूल को हराया था।

डब्ल्यूपीएल 2023 : कणिका ने आरसीबी को पहली जीत दिलाकर कहा, कोहली के मैसेज ने जोश से भर दिया

मुंबई । (एजेंसी)

प्रतिभाशाली ऑलराउंडर कणिका आहूजा ने कहा कि भारत के महान बल्लेबाज विराट कोहली के साथ बातचीत ने उनका हौसला बढ़ाया जिससे उन्होंने 46 रन की आक्रामक पारी खेल कर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में पहली जीत दिलाई। आरसीबी की टीम ने 18 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 136 रन का लक्ष्य हासिल कर लगातार पांच मैचों की हार का सिलसिला खत्म किया। पंजाब की 20 साल की कणिका ने 30 गेंद में 46 रन की ताबड़तोड़ पारी खेलने के बाद कहा, 'विराट सर ने हमसे कहा कि यहां दबाव की कोई बात नहीं है, यह खुशी की बात है।

कोहली बुधवार को भारतीय टीम के वैकल्पिक अभ्यास सत्र में शामिल नहीं हुए और इसके बजाय यहां मुंबई में डब्ल्यूपीएल में प्रतिस्पर्धा कर रही आरसीबी महिला टीम से मिले। पहली बार संवाददाता सम्मेलन में पहुंची कणिका ने कहा, 'उन्होंने (कोहली) हमसे कहा कि मैदान में उतरने के बाद खुद पर दबाव को हावी नहीं होने दे। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि हमें यहां खेलने का मौका मिल रहा है, सभी को इस तरह का अवसर नहीं मिलता है। कणिका ने कहा कि वह सूर्यकुमार यादव की तरह मैदान के हर कोने में शॉट खेलने का महारत हासिल करना चाहती है। मैन ऑफ द मैच कणिका ने 46 रन बनाने के अलावा हिथर नाइट (24) के साथ चौथे विकेट के लिए 46 और रिचा घोष (नाबाद 31) के साथ पांचवें विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी कर टीम की जीत सुनिश्चित की। उन्होंने कहा, 'मेरे दिमाग में एक बात थी कि चाहे कुछ भी हो, हमें जीतना ही है। लक्ष्य बड़ा नहीं था इसलिए हम समय लेकर परिस्थितियों के अनुसार खेल सकते थे। हमने कमजोर गेंदों का फायदा उठाने का इंतजार किया।

संक्षिप्त समाचार

स्पेन और पुर्तगाल के साथ फीफा विश्व कप 2030 की मेजबानी चाहता है मोरक्को

रबात । मोरक्को भी फीफा विश्व कप 2030 की मेजबानी बोली में शामिल होगा। मोरक्को के सुल्तान मोहम्मद षष्ठम ने कहा है कि उनका देश फीफा विश्व कप 2030 की मेजबानी के लिए स्पेन और पुर्तगाल के साथ संयुक्त रूप से बोली लगाएगा। इससे पहले जून 2021 में स्पेन और पुर्तगाल ने कहा था कि वे 2030 फीफा विश्व कप की मेजबानी के लिए संयुक्त बोली लगाएंगे। वहीं अब सुल्तान ने अफ्रीकी फुटबॉल परिसंघ (सीएएफ) को भेजे एक संदेश में कहा कि इस संयुक्त बोली से अफ्रीका और यूरोप, उत्तरी और दक्षिणी भूमध्यसागरीय, अफ्रीकी अरब और यूरो-भूमध्यसागरीय दुनिया एक साथ आएगी। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि यह मेजबानी हममें से सर्वश्रेष्ठ को सामने लेकर आयेगी जो कि प्रतिभा, रचनात्मकता, अनुभव और साधनों का एक वास्तविक मिश्रण रहेगा। यह संदेश सुल्तान ने रवांडा के किगाली में एक कार्यक्रम में दिया। गौरतलब है कि फीफा विश्व कप की मेजबानी करने के लिए मोरक्को छठी बार बोली लगाने वाला है। इससे पहले उसने साल 1994, 1998, 2006, 2010 और 2026 के लिए भी बोली लगायी थी।

अश्विन ने ट्विटर अकाउंट की सुरक्षा के लिए एलन मस्क से शिकायत की

नई दिल्ली । टीम इंडिया के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन खेल के मैदान पर जिस प्रकार बल्लेबाजों पर हावी रहते हैं। उनका वही अंदाज सोशल मीडिया पर भी देखने में आया है। यहां अश्विन ने अपने ट्विटर अकाउंट की सुरक्षा के लिए पोर्टल के मालिक एलन मस्क से शिकायत की है। उन्होंने लिखा में मैं 19 मार्च से पहले अपने ट्विटर अकाउंट को कैसे सुरक्षित कर सकता हूं, मुझे पॉप-अप मिलते रहते हैं पर कोई भी लिंक किसी भी स्पष्टता तक नहीं पहुंच रहा है। कृपया हमें सही दिशा में बताएं। गौरतलब है कि मस्क ने भारत में ट्विटर ब्लू शुरू करने का फैसला किया है, इसलिए कुछ सुरक्षा परिवर्तन देखे गए हैं। टू फैक्टर अथेंटिकेशन अब केवल तभी उपलब्ध रहता है जब किसी व्यक्ति ने ट्विटर ब्लू को सब्सक्राइब किया हो। अश्विन ने इससे पहले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने 4 मैचों की सीरीज में 25 शिकार किए और सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उन्हें रविंद्र जडेजा के साथ संयुक्त प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवार्ड भी मिला।

रैना पर भारी पड़े गेल , वर्ल्ड जायंट्स ने इंडिया महाराजा को हराया

दोहा । (एजेंसी)

कतर में जारी लीजेंड्स लीग क्रिकेट 2023 में इंडिया महाराजा को फिर हार का सामना करना पड़ा है। उसे वर्ल्ड जायंट्स ने तीन विकेट से हराया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडिया महाराजा ने 9 विकेट पर 136 रन बनाये। वर्ल्ड जायंट्स की ओर से ब्रेट ली ने 3 विकेट लिए। मानविंदर बिस्ला 36 और सुरेश रैना 49 के बीच हुई 60 रनों की साझेदारी के अलावा इंडिया महाराजा की ओर से कई बड़ी साझेदारी नहीं हो पायी। इसके बाद वर्ल्ड जायंट्स ने क्रिस गेल 57 की अच्छी बल्लेबाजी से 18.4 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 137 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। 137 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वर्ल्ड जायंट्स की शुरुआत अच्छी रही। गेल और हाशिम अमला 6 ने 42 रन की साझेदारी करके अच्छी शुरुआत की। अमला को अशोक डिंडा ने एलबीडब्ल्यू आउट करके वर्ल्ड जायंट्स का पहला विकेट लिया। इसके बाद गेल ने शेन वॉटसन 26 के साथ ही दूसरे विकेट के लिए 51 रन बनाये। प्रवीण तांबे ने वॉटसन को बोल्ड करके इस साझेदारी को तोड़ा।इसके बाद इंडिया महाराजा के गेंदबाजों ने विकेट लेकर मैच में वापसी का प्रयास किया। वर्ल्ड जायंट्स के कप्तान आरोन फिंच (5), रॉस टेलर (7), समित पटेल (12) और रिकॉर्डो पावेल (3) रन बनाकर ही पेवेलिन लौट गये। गेल को इस बीच रैना ने एलबीडब्ल्यू आउट किया पर इसके बाद मोर्ने वेन विक 10 और टिनो बेस्ट 1 ने वर्ल्ड जायंट्स को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। गेल ने 46 गेंदों में 9 चौके और एक छक्के की मदद से 57 रन बनाए। शेन वॉटसन ने 16 गेंदों में 5 चौके की मदद से 26 रन बनाए। इंडिया महाराजा की ओर से यूसुफ पठान ने दो विकेट लिए। सुरेश रैना, प्रवीण तांबे, अशोक डिंडा और हरभजन सिंह को एक-एक विकेट मिला।

विराट के लिए अगले 25 शतक लगाना कठिन होगा : अख्तर

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने कहा है विराट कोहली आधुनिक युग के सब महान बल्लेबाज हैं पर सचिन तेंदुलकर के 100 शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी करना उनके लिए बेहद मुश्किल रहेगा। अख्तर के अनुसार उनके लिए यहां से 25 और शतक लगाना आसान नहीं होगा। विराट ने अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट में शतक के साथ ही अपने 75 शतक पूरे किये हैं। अख्तर ने कहा, कप्तानी ने उसे बहुत प्रभावित किया। अंत में वह अपनी बेड़ियों से बाहर है और अपने जीवन का आनंद ले रहा है और अब वह अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देने में सक्षम है, जिसे वह सबसे अच्छी तरह से जानता है। उन्होंने कहा, अगले 20-25 शतक जो उसके पास हैं सचिन के रिकॉर्ड की बराबरी करना या तोड़ना सबसे कठिन होगा। हालांकि मुझे यकीन है कि इस आदमी के पास बेहद मानसिक शक्ति है। वह इस धरती पर अब तक का सबसे महान बल्लेबाज है।

धोनी अलग अंदाज में नजर आये

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अपने अलग ही अंदाज के कारण प्रशंसकों के बीच छाये रहते हैं। भारतीय टीम में कप्तान रहते उन्होंने टीम को सभी आईसीसी खिताब जिताये थे। खेल से संन्यास के बाद भी वह अलग-अलग क्षेत्रों में उतरे पर वहां सफल हुए। धोनी को लेकर इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने एक वीडियो जारी किया है। इसमें धोनी गिटार के साथ नजर आ रहे हैं। सीएसके के कप्तान धोनी को हाल ही में अपने साथी खिलाड़ियों शिवम दुबे, दीपक चाहर और ऋतुराज गायकवाड़ के साथ हंसी मजाक करते हुए देखा गया। सीएसके ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से इन खिलाड़ियों का एक मजेदार वीडियो भी साझा किया है, जिसमें धोनी हाथ में गिटार लिए नजर आ रहे हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाड़ियों के बीच के इस जुड़ाव को आईपीएल की तैयारियों के एक अहम हिस्से के रूप में देखा जा सकता है। सीएसके आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। उसके को देखे हुए सीएसके के खिलाफ अभ्यास में लगे हुए हैं। मुंबई इंडियंस के बाद चार खिताब और पांच रनर-अप फिनिश के साथ सीएसके आईपीएल की सबसे सफल टीम है। उन्होंने टूर्नामेंट में 13 में से नौ बार फाइनल के लिए क्वॉलिफाई किया है। हालांकि गत सत्र उनके लिए काफी खराब रहा था।

अहमदाबाद स्टेडियम में देश के दिग्गज खिलाड़ियों ने बनाये हैं बड़े रिकार्ड

मुम्बई । (एजेंसी)

अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम जो पहले मोटेरा स्टेडियम के नाम से जाना जाता था में देश के कई दिग्गज खिलाड़ियों ने रिकार्ड बनाये हैं। इस स्टेडियम में बने 5 रिकॉर्ड यह साबित करते हैं। सन 1982 में बने मोटेरा स्टेडियम में पहला टेस्ट मैच 1983 में खेला गया। यहां पर अब तक 15 टेस्ट मैच, 27 एकदिवसीय और 7 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले गये हैं। भारतीय टीम ने यहां कुल 41 मैच खेले हैं। इनमें से उसे 21 में जीत जबकि 12 में हार का सामना करना पड़ा है। वहीं सात मैच ड्रॉ रहे हैं व एक मैच रद्द हो गया था। इस स्टेडियम पर सबसे बड़ा रिकॉर्ड 1987 में भारत-पाकिस्तान मुकाबले में बना था। तब इस मैदान पर बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने 10 हजार टेस्ट रन पूरे किये थे। तब गावस्कर दुनिया के ऐसे पहले क्रिकेटर थे, जिन्होंने 10000 टेस्ट रन पूरे किये। वहीं कपिल देव ने भी सबसे अधिक विकेट लेने का विश्व रिकॉर्ड अहमदाबाद के ही स्टेडियम में बनाया था। कपिल ने 1994 में अपने टेस्ट करियर का 432वां विकेट इसी स्टेडियम में लिया था। कपिल से पहले यह रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के महान गेंदबाज रिचर्ड हैडली के नाम 431 विकेट का था। कपिल ने इससे पहले 1983 में मोटेरा पर ऐसा रिकार्ड बनाया था जो किसी भी गेंदबाज ने नहीं बनायाथा। कपिल ने तब वेस्टइंडीज के खिलाफ एक पारी में 9 विकेट लिए थे। यह आज भी किसी भी भारतीय तेज गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

विश्व में सिर्फ तीन गेंदबाज ही ऐसे हुए हैं, जिन्होंने एक पारी में कपिल से ज्यादा विकेट लिए हैं। इनमे जिम लेकर, अनिल कुंबल और एजाज पटेल हैं।

वहीं सचिन तेंदुलकर के लिए भी अहमदाबाद का स्टेडियम खास रहा है।सचिन ने इसी मैदान पर 1999 में अपना पहला दोहरा शतक लगाया था। अब विराट कोहली ने इसी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 186 रन की शानदार पारी खेलकर सवा तीन साल बाद कोई शतक लगाया है।

अश्विन ने तीसरे टेस्ट के बाद बढ़ाया था विराट का हौंसला

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने खुलासा किया है कि इंदौर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए तीसरे टेस्ट मैच के बाद उनकी भारतीय टीम के बल्लेबाज विराट कोहली से बातचीत हुई थी। विराट ने इस मैच के बाद लंबे समय के बाद टेस्ट में शतक लगाया था। वहीं विराट पहले तीन टेस्ट में बड़ी पारी खेलने में विफल रहे थे पर उन्होंने चौथे टेस्ट में शतक लगाकर अपनी अपनी पुरानी क्लास को दिखाया था। कोहली के इस शतक के बाद अश्विन ने कहा है कि उनकी इंदौर टेस्ट के बाद पूर्व कप्तान से बात हुई थी। उन्हें लगता था कि कोहली अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे पर कुछ कारणों से उन्हें बड़ी पारी में नहीं बदल पा रहे थे। इस दौरान अश्विन ने उनका हौंसला बढ़ाया था। अश्विन ने कहा, विराट और मैंने इंदौर टेस्ट के बाद बातचीत की थी। आम तौर पर ऐसा नहीं होता था पर इस बार । मुझे व्यक्तिगत रूप से लगा कि विराट अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्होंने साथ ही कहा, उन्हें समय मिल रहा था और शायद 30 और 40 रन बनाने के बाद ही आउट हो रहे थे। यह सिर्फ अपने हाथों को कंधे पर रखने और उस व्यक्ति को यह बताने के बारे में था कि आप शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं, बस वहीं टिके रहने की जरूरत है और चीजें बदलने वाली हैं। इन चीजों ने मेरे क्रिकेट करियर में भी बदलाव लाया है, इसलिए मुझे लगा कि कोहली के बल्ले से एक बड़ी पारी दस्तक आने वाली है। कोहली ने इस साल जनवरी में श्रीलंका के खिलाफ दो एकदिवसीय शतक लगाये थे। अश्विन ने कोहली की उन दो पारियों की भी काफी प्रशंसा की और उन्होंने साथ में अनुभवी टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन दोनों बल्लेबाजों की पारियों से टीम को काफी लाभ हुआ। अश्विन ने कहा, इससे पहले एकदिवसीय सीरीज में भी विराट ने कुछ शानदार पारियाँ खेलीं। वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डायबिटीज के मरीजों को गन्ने का जूस पीना चाहिए या नहीं ?

गर्मी से राहत के लिए अलग-अलग तरह के पेय का सेवन करते हैं ताकि गर्मी के प्रकोप से बच सकें। वहीं गर्मी के दिनों में गन्ने के जूस का सबसे अधिक सेवन किया जाता है। इसके सेवन करते ही गर्मी की थकान दूर हो जाती है। एकदम रिफ्रेशमेंट जैसा महसूस होता है। वहीं इसका सेवन करने से लीवर, ब्लड प्रेशर और इम्यून सिस्टम तीनों के लिए ही फायदेमंद होता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। जैसे कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन, पोटेशियम और फास्फोरस जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं। जिससे हड्डियां भी मजबूत होती है। यह प्राकृतिक रूप से मीठा होता है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या डायबिटीज के मरीज इसे पी सकते हैं?

गन्ने के रस में भले ही प्राकृतिक शुगर होती है लेकिन शुगर की मात्रा बहुत अधिक होती है। जिसके चलते डायबिटीज के मरीजों को दिक्कत हो सकती है। दरअसल, गन्ने का रस बिना किसी तरह से रिफाइंड करके निकाला जाता है। इसलिए हाई शुगर भी बहुत ज्यादा होती है। इसलिए डायबिटीज के मरीजों को गन्ने के रस का सेवन नहीं करना चाहिए। गन्ने के रस में ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है और अधिक मात्रा में ग्लाइसेमिक लोड होता है। इसका मतलब है कि यह आपके ब्लड शुगर लेवल को इफेक्ट करता है।

गन्ने के जूस के फायदे

- एनर्जी मिलती है।
- पाचन क्रिया को ठीक करता है।
- दांतों को मजबूत करता है।
- संक्रमण से बचाव में मदद करता है।

अनिद्रा और माइग्रेन की समस्या से चाहते हैं निजात, तो पीजिए हल्दी वाला दूध

आयुर्वेद चिकित्सा में हल्दी को रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला सबसे असरकार माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार दूध के साथ हल्दी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। बच्चों और बुजुर्गों को तो अक्सर हल्दी वाला दूध पीने की सलाह दी जाती है। बहुत सी ऐसी बीमारियां हैं जिनमें हल्दी वाला दूध रात को पीने से काफी आराम मिलता है। कहा जाता है जो व्यक्ति अनिद्रा का रोगी हो और जिसके माइग्रेन की बीमारी हो उसे हल्दी वाला दूध अवश्य पीना चाहिए।

माइग्रेन व अनिद्रा में मिलता है आराम

अगर आपको माइग्रेन की शिकायत है तो रोज रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने की आदत डाल लें। माइग्रेन की परेशानी में दूध हल्दी पीने से बहुत लाभ मिलता है। इससे अच्छी नींद भी आती है। आपकी नींद पूरी नहीं हो पा रही है। रात को अक्सर आपकी नींद टूट जाती है और फिर देर तक नहीं आती है तो हल्दी वाला दूध पीकर सोना शुरू कर दें। गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने से नींद नहीं आने की शिकायत दूर होती है।

गैस की परेशानी से भी मिलती है राहत

गैस और कब्ज की परेशानी में भी हल्दी दूध पीने से आराम मिलता है। दूध नॉर्मल टेम्प्रेचर का होना चाहिए ज्यादा गर्म नहीं। रोज रात को हल्दी वाले दूध में 2-3 दाने चीनी या मिश्री के डालकर सोएं। कुछ ही दिनों में कब्ज और गैस की परेशानी से राहत मिल जाएगी।

बढ़ती है बच्चों की इम्युनिटी

हल्दी को इम्युनिटी बढ़ाने के लिए बहुत गुणकारी माना जाता है। बच्चों को अक्सर ही मौसम बदलने पर सर्दी-खांसी जैसी परेशानी हो जाती है। रात में सोने से पहले बच्चों को हल्दी वाला दूध पिलाएं, इससे बदलते मौसम में भी उनकी इम्युनिटी मजबूत होती है।

चोट पर है असरकारक

बच्चों को खेलने-कूदने में अक्सर चोट लग जाती है या बहुत थक जाने पर पैरों में, शरीर में दर्द होता है। रात को सोते समय बच्चों को हल्दी वाला दूध पीना चाहिए। इससे चोटों से आराम मिलता है। हल्दी में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है और इसका सेवन सबके लिए ही फायदेमंद है।

बीमार न कर दे ये गर्मी

गर्मी अपना प्रभाव दिखाने लगी है और लोगों का हाल बेहाल होने लगा है। गर्मियों के मौसम में जाने अंजान में कई गलतियां, या फिर हमारी जरा सी लापरवाही भी हमें बीमार कर सकती है। गर्मियों के दौरान अक्सर लोगों के शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या हो जाती है। इस तपती गर्मी में कई लोगों को लू लग जाती है, कई लोग बुखार की चपेट में तो कई लोगों को पेशाब में जलन, दस्त, उल्टियां, बेहोश होना और नाक से खून निकलने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में अधिकांश लोग डॉक्टर और अस्पताल के चक्कर लगाने लगते हैं। आज हम बताएंगे कि गर्मी अपने आपको स्वस्थ कैसे रखें, आइए जानते है।

नाक से खून आना

गर्मियों में अक्सर बच्चों के नाक से खून आने की समस्या होने लगती है। ऐसे में लाल भाजी की जड़ों के रस की दो-दो बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं। ऐसा तीन दिन तक लगातार दिन में दो बार किए जाने से आराम मिलता है। वहीं इसके अलावा धनिया की ताजी पत्तियों के रस में थोड़ा कपूर मिलाकर इस मिश्रण की 2-2 बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं।

लू लग जाए तो करें ऐसा

भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के कारण अगर लू लग जाए तो लू लगने पर पीड़ित व्यक्ति के हाथ, पैर और तलुओं में कच्चे प्याज का रस लगाया जाता है। कहा जाता है कि इस नुस्खे को आजमाने पर लू से तुरंत आराम मिलता है। लू लग जाए तो कमरख नाम के फल का रस इससे निजात दिलाने में काफी काम आता है। इस रस में चीनी मिलाकर दिन में दो बार पीना चाहिए। इसके अलावा करौंदे का जूस भी लू से निजात दिलाने के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है। करीब 250 मिली करौंदा जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर दिन में 3 बार पीने से लू का असर कम होता है। बथुआ को पीसकर इसका लेप तैयार करके लू ग्रस्त व्यक्ति के पैरों के तलुओं और हथेली पर लगाने से लू में काफी तेजी से आराम मिलता है। लू के उपचार के लिए टमाटर को भी उत्तम माना जाता है। टमाटर में नमक और शक्कर मिलाकर इसे उबाल लेना चाहिए। ठंडा हो जाने पर लू ग्रस्त व्यक्ति को

दिन में 2 बार पिलाना चाहिए।

गर्मियों में जब पड़ जाएं बीमार

भीषण गर्मी में लू लग जाने पर तेजी से बुखार आने लगता है। ऐसे में कच्चे नारियल का पानी पिलाना चाहिए। सुबह-शाम तीन दिनों तक कच्चे नारियल का पानी पीने से लू, बुखार और कमजोरी दूर होती है।
गर्मी के चलते बुखार आ जाने पर बेल के फलों का जूस बेहद काम आता है। बेल के जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर पीड़ित को देने से तुरंत आराम मिलता है।

कमजोरी व थकान होने पर

गर्मियों में थकान और कमजोरी महसूस होना बेहद आम बात है। ऐसे में पके पपीते का सेवन करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। पपीते के जूस को पीने से शरीर में ताजगी और स्फूर्ति आती है। चिलचिलाती गर्मी में यह शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है।

दस्त और उल्टी होने पर

गर्मियों में कई लोगों को दस्त और उल्टी की समस्या होना आम बात है। ऐसे में आंवले को उबालकर इसे मैश कर लेना चाहिए। फिर इसके बीजों को अलग कर लें और आंवले में शक्कर या शहद मिला लें। इस मिश्रण में से 5 ग्राम हर रोज 4-5 बार लें। इससे दस्त और उल्टी में तेजी से फायदा होगा। इसके अलावा पानी की कमी को पूरा करने के लिए नींबू पानी, केला और दाल चावल से बनी खिचडी खाने से आराम मिलता है।

क्या आपको लगता है कि वजन कम करने के लिए आपको उबला हुआ खाना खाना पड़ेगा या घंटों वर्कआउट करना पड़ेगा? जी नहीं, ऐसा बिल्कुल नहीं है। आप चाहें तो डांस करके भी वजन कम कर सकती हैं। यहां हैं कुछ ऐसे अमेजिंग डांस, जो आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकते हैं।

बिना एक्सरसाइज डांस के साथ करें वेट लॉस

डांसिंग एक बेहतरीन कार्डियो वर्कआउट है जो स्टैमिना बढ़ाता है और फैट बर्न करने में मदद करता है। डांस की उपयोगिता के कारण ही डांस से जुड़े कई फिटनेस सेंटर खुल रहे हैं। एरोबिक्स, जुम्बा और साल्सा डांस वर्कआउट के कुछ प्रमुख रूप हैं। डांस की सबसे अच्छी बात यह होती है कि यह फुल बॉडी वर्कआउट होने के बावजूद उबाऊ नहीं लगता और यह आपको खुश रखता है। यही नहीं, डांस सभी मांसपेशियों को फ्लेक्सिबल बनाता है। कई रिसर्च बताती हैं कि डांस करने से डोपामाइन हॉर्मोन बनता है जो हमारा मूड अच्छा रखता है और स्ट्रेस कम करता है। जब आप जान गए हैं कि डांस सेहत के लिए कितना फायदेमंद है, तो यह भी जान लेते हैं कि आप इसको अपने रूटीन में कैसे शामिल कर सकती हैं।

जुम्बा

जुम्बा डांस कार्डियो सबसे प्रचलित वर्कआउट फॉर्म है और यह लगातार बढ़ रहा है। जुम्बा लैटिन डांस स्टाइल और एरोबिक्स का मिक्स है जिसमें बहुत ऊर्जा की जरूरत होती है। जुम्बा में एक ही समय पर कई मसल्स ग्रुप काम करते हैं और यह हर ऐज के लिए परफेक्ट है। यह लगातार एक फन वर्कआउट के रूप में लोकप्रिय हो रहा है।
एक घन्टे के जुम्बा सेशन में आप 500 से 800 कैलोरी बर्न करती हैं।

हिप हॉप

हिपहॉप एक एडवांस डांस फॉर्म के रूप में लोकप्रिय है। इस डांस स्टाइल के लिए बहुत स्टैमिना और ताकत की जरूरत होती है और यही कारण है कि यह वजन कम करने का बेहतरीन तरीका है। लेकिन, हिपहॉप के लिए आपको फिट होना चाहिए वरना आप हिपहॉप कर ही नहीं पाएंगे।

साल्सा

हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक, साल्सा को एक रोमांटिक डांस फॉर्म की तरह पॉपुलर किया गया है। हालांकि साल्सा रोमांटिक है और कपल के बीच ही होता, लेकिन इस डांस फॉर्म में बहुत एनर्जी की जरूरत होती है। यह एक बेहतरीन वर्कआउट है जो कैलोरी बर्न करता है और इस दौरान आप और आपके पार्टनर के बीच बॉन्डिंग भी बढ़ जाती है। कपल्स के लिए साल्सा एक अच्छी एक्टिविटी है जहां वे साथ में फिट भी हो सकते हैं और क्वालिटी टाइम भी बिता सकते हैं।

बॉलीवुड

जब बात आती है डांस वर्कआउट की तो बॉलीवुड स्टाइल सबसे कारगर होता है। हम सभी बचपन से बॉलीवुड डांस देखते आये हैं और उसे एन्जॉय करते हैं। साथ ही इसकी बीट्स इतनी मोहक होती हैं कि आप खुद को नाचने से रोक नहीं पाते। यह एक बेहतरीन कार्डियो है और फैट बर्न करने में कारगर है। साथ ही आप इसको दिल से एन्जॉय भी करते हैं।

यह भी जानें

डांस वर्कआउट यहीं तक सीमित नहीं है। फ्रीस्टाइल डांसिंग से लेकर बेली डांस तक कई अन्य डांस हैं जो आपको फिट रखते हैं। नियमित रूप से डांस करने से आप फिट होते हैं, स्टैमिना बढ़ता है और शरीर लचीला बनता है। साथ ही यह फिटनेस शारीरिक फिटनेस तक सीमित नहीं है। डांस से आपका मानसिक स्वास्थ्य भी सुधरता है क्योंकि डांस करने से तनाव कम होता है और मूड अच्छा होता है।

क्या आप अपने रोजाना पानी पीने का हिसाब रखते हैं ?

पृथ्वी का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से घिरा है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि यह 70 प्रतिशत पानी पीने के लिए योग्य है। भारत जहां डिजिटलीकरण की ओर से तेज रफ्तार से बढ़ रहा है। वहीं 50 प्रतिशत से ज्यादा घरेलू स्थान अभी भी पीने के लिए अपने पानी को उबालने पर निर्भर हैं। आपका शरीर 70 प्रतिशत पानी है और यह पानी पेशाब और पसीने आदि के माध्यम से अपने शरीर में मौजूद गंदगी को बाहर निकालने में मदद करता है। कहा जाता है कि दिन में आठ गिलास पानी पीना स्वास्थ्य के लिए जरुरी है। पानी शरीर के लिए बहुत जरूरी है। अधिक पानी पीने से कई तरह की बीमारियों से छुटकारा मिलता है। अफसोस की बात है कि लोग प्यास लगने पर ही पानी का सेवन करते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को बढ़ाता है।

एनर्जी लेवल को बनाए रखता है

आप विशेष रूप से गर्मियों में एनर्जी लेवल में कमी महसूस करते हैं। इन सबसे निजात पाने का आसान तरीका अधिक पानी पीना है। ऐसा करने से आप अपने दिन को अतिरिक्त शक्ति और ऊर्जा के साथ जी पाएंगे।

डिहाइड्रेशन में मदद करता है

पानी की कमी से मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ता है। जब आपका मस्तिष्क थका हुआ होता है, तो आपकी मांसपेशियां जवाब देने लगती है। आपकी आंखें थक जाती हैं। आपके मस्तिष्क में महत्वपूर्ण कार्यों को करने की ऊर्जा नहीं होती। आप चाहते हुए भी काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते। इसलिए इससे बचने के लिए, भरपूर पानी पीना चाहिए। आप ड्रिंक-वॉटर ऐप का उपयोग कर इस बात का पता लगा सकते है कि आपने दिनभर में कितने लीटर पानी पिया है।

मूड को फ्रेश रखने में मदद करता है

जब आपको प्यास लगती है, तो आप अत्यधिक चिड़चिड़े होने लगते है। एक गिलास पानी पीने से आप बेहतर महसूस करने लगते है और मूड भी ठीक रहता है।

स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है पोदीना

पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

गर्मी के दिनों में पौदिना को भी लोग खूब पसंद करते है। पौदिने का प्रयोग हम किसी सब्जी को स्वादिष्ट बनाने और चटनी में बनाने में लेते है। पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। गर्मियों के दिनों में स्कीन से जुड़ी कई परेशानियां होती है। आज हम पौदिने के सेवन से होने वाले शारीरिक लाभों के बारें में बताने जा रहे हैं, तो आइए जानते हैं।

कील मुंहासे में फायदेमंद

पौदिना चेहरे के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आपकी तैलीय त्वचा हैं आप पौदिने की पत्तियों को पीसकर चेहरे पर लगाओंगे तो आपके चेहरे के लिए काफी फायदेमंद होगी।

मुंह की बदबू के लिए फायदेमंद

कई लोग मुंह की बदबू के कारण काफी परेशान रहते है। ऐसे व्यक्तियों के लिए पौदिना काफी फायदेमंद हो सकता है। अगर आपके मुंह में बदबू आती हैं तो आपको पौदिना की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद

पौदिना हमारी पेट से संबंधित बीमारी के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हो तो आपको प्रतिदिन पौदिने की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पीरियड में फायदेमंद

कई महिलाएं अपने मासिक धर्म से काफी परेशान रहती हैं क्योंकि उनका मासिक धर्म समय पर नहीं आता है। जिस कारण वो काफी तनाव में रहती है। लेकिन अगर आप प्रतिदिन पौदिने का सेवन करेंगे तो ये महिलाओं के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। महिलाएं पौदिने की पत्तियां सूखाकर उनका चूर्ण बनाकर शहद के साथ सेवन करेगी तो शानदार इस बीमारी से फायदा मिलेगा।

कोलंबिया की कोयला खदान में विस्फोट से 11 लोगों की मौत

बोगोटा । मध्य कोलंबिया में कोयले की एक खदान में जोरदार विस्फोट से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 लापता हैं। सरकार ने बुधवार को यह जानकारी दी। विस्फोट इतना भीषण था कि इसका असर सुरंगों से जुड़ी चार अन्य खदानों पर भी पड़ा। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने ट्वीट किया कि बचावकर्ता फंसे खनिकों तक पहुंचने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। कुंडिनमार्का प्रांत के सुतातौसा में मंगलवार रात को खदान में मिथेन गैस के कारण विस्फोट हुआ। पेट्रो ने बताया कि इस विस्फोट में 11 लोगों की मौत हुई है। ऊर्जा और खान मंत्री इरेन वेलेज ने बताया कि 10 लोग अब भी खदानों में फंसे हुए हैं।

पाकिस्तान में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 8 आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद । पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने बुधवार रात अफगानिस्तान की सीमा के पास एक आतंकवादी ठिकाने को निशाना बनाया, जिससे दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। पाकिस्तानी सेना की ओर से जारी एक बयान के अनुसार मुठभेड़ में 8 आतंकवादी ढेर हो गए। वहीं, दो बच्चे भी मारे गए और दो सैनिक घायल हुए हैं। बयान में स्पष्ट नहीं किया गया है कि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के अशांत दक्षिण वजीरिस्तान जिले में आतंकवादी ठिकाने पर कार्रवाई के दौरान किसकी गोली लगने से बच्चों की मौत हुई। पाकिस्तानी सेना ने यह भी नहीं बताया है कि जिन आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई की गई, वे किस संगठन से नाता रखते थे। दक्षिण वजीरिस्तान कुछ साल पहले तक पाकिस्तानी तालिबान और अन्य आतंकवादी संगठनों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह हुआ करता था। बाद में पाकिस्तानी सेना ने क्षेत्र से आतंकवादियों के सफाए का दावा किया। हालांकि, वहां अक्सर आतंकवादी हमले होते रहे हैं।

न्यूजीलैंड में आया 7.1 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी जारी

ऑकलैड । न्यूजीलैंड में 7.1 तीव्रता का भूकंप केर्माडेक द्वीप समूह पर आया है। भूकंप के बाद ही सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। रिक्टर पैमाने पर 7.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप न्यूजीलैंड के उत्तर में स्थित केरमाडेक द्वीप समूह में आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, उथले भूकंप का अनुमान 10 किमी की गहराई में था। यूएस सुनामी वार्निंग सिस्टम द्वारा 300 किमी के दायरे में निर्जन द्वीपों के लिए शीघ्र ही सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी। न्यूजीलैंड भूकंप के प्रति संवेदनशील है, क्योंकि यह दुनिया की दो प्रमुख टेक्टोनिक प्लेटों -प्रशांत प्लेट और ऑस्ट्रेलियाई प्लेट की सीमा पर स्थित है। यह तीव्र भूकंपीय गतिविधि के एक क्षेत्र के किनारे पर भी है जिसे रिंग ऑफ फायर के रूप में जाना जाता है। न्यूजीलैंड में हर साल हजारों भूकंप आते हैं।

कोरोना के बाद अब चीन में इन्फ्लुएंजा का बढ़ा खतरा

बीजिंग । कोविड के बाद इन्फ्लुएंजा का प्रकोप चीन में देखने को मिल रहा है।कहा जा रहा है कि बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं और अधिकारियों ने स्थिति से बाहर निकलने पर लॉकडाउन की चेतावनी दी है। हालाँकि, पब्लिक ने एक और लॉकडाउन की संभावना पर अपनी नाराजगी भी जारी की है। लोगों का कहना है कि ऐसा करने से कोविड के वक्त जैसे हालात फिर से लौट आएंगे। चीन के शीआन प्रांत में इन्फ्लूएंजा के केस बढ़ते जा रहे हैं। डेढ़ करोड़ की आबादी वाले शीआन में जिनपिंग के अधिकारी, स्कूल, बिजनेस और सार्वजनिक बिल्डिंगों में ताला लगाने की प्लानिंग में हैं। यहां तक की शीआन में स्थानीय प्रशासन की तरफ से लॉकडाउन लगाने को लेकर इमरजेंसी रिस्पांस प्लान तैयार हो चुका है। इसमें कहा गया है कि शहर में संक्रमित क्षेत्रों को बंद किया जा सकता है। ट्रैफिक को कम करने को लेकर भी आदेश जारी किया जाएगा। इसके अलावा उत्पादन और व्यावसायिक गतिविधियों को निलंबित किया जा सकता है। शॉपिंग मॉल, थिएटर, पर्यटक स्थल और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थान भी बंद रहेंगे।चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन द्वारा जारी साप्ताहिक कोविड सर्विलांस रिपोर्ट के मुताबिक फ्लू की पॉजिटिविटी दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 5 मार्च से शुरू होने वाले सप्ताह में, फ्लू की सकारात्मकता दर बढ़कर 41.6 फीसदी हो गई, जो पिछले सप्ताह की दर 25.1 फीसदी से काफी अधिक है। इस बीच, कोविड-19 के लिए सकारात्मकता दर 5.1 फीसदी से घटकर 3.8 फीसदी हो गई।

30 साल से एक ही नंबर की लॉटरी खरीद रहा था कपल, जीते 16 करोड़

सिडनी। आस्ट्रेलिया का एक कपल पिछले 30 सालों से हर हफ्ते एक ही नंबर की लॉटरी की टिकट खरीदता आया है. लेकिन कभी उसके हाथ कोई जैकपॉट नहीं लगा। शख्स के मुताबिक, पिछले हफ्ते वह किसी कारणवश लॉटरी टिकट खरीदना भूल गया। इससे उसकी पत्नी नाराज हो गई। जिसके बाद शख्स ने उसे मनाने के लिए लॉटरी की दो टिकट खरीद ली लेकिन दंपती को अंदाजा भी नहीं था कि उनकी तकदीर पलटने वाली है और वे एक झटके में करोड़पति बन जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बीते मंगलवार सुबह शख्स की पत्नी ने नंबर मिलाया और दोनों ही टिकट पर जैकपॉट जीत लिया। दंपति ने कुल 2 मिलियन डॉलर (तकरीबन 16.48 करोड़ रुपए) जीते। शख्स ने बताया कि जब लॉटरी की पहली टिकट से उसे जैकपॉट लगा, तो उसे यकीन ही नहीं हुआ। उसकी वाइफ एक-एक कर नंबर काटती रही और फिर उसने लगभग 8.25 करोड़ रुपए जीत लिए। इसके बाद शख्स ने पत्नी को बताया कि उसने एक और टिकट लिया है। दूसरा नंबर चेक करने पर पता चला कि उन्होंने दोनों टिकट में उन्हें जैकपॉट लगा और कपल ने 16.4 करोड़ रुपए जीत लिए। करोड़पति दंपति का कहना है कि वो अपनी बेटी के लिए घर खरीदना चाहते हैं। वो अपने बच्चों और नाती-पोतों को सपोर्ट करना चाहते हैं और उनका भविष्य सुरक्षित करना चाहते हैं। इसके बाद दोनों का ऑस्ट्रेलिया घूमने का प्लान है।

चक्रवात फेडीके बाद अब अफ्रीका के दक्षिणी हिस्से पर मंडरा रहा है बाढ़ का खतरा

ब्लांटायर। विध्वंसकारी तूफान और मूसलाधार बारिश के चार दिन के कहर से बेहाल स्थानीय समुदाय और राहत कर्मी अब चक्रवात फेडी के गुजर जाने के बाद की परेशानियों से जूझ रहे हैं। मलावी और मोजाम्बिक में इस चक्रवात ने 250 से ज्यादा लोगों की जान ली है और हजारों की संख्या में लोग बेघर हुए हैं। चक्रवात फेडी बुधवार को निष्प्रभावी हो गया, लेकिन मौसम निगरानी केन्द्रों ने चेतावनी दी है कि प्रभावित देशों में अभी भी बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। अधिकारियों ने बताया वित्तीय राजधानी ब्लांटायर सहित दक्षिणी मलावी में कम से कम 225 लोगों की मौत हुई है। करीब 88,000 लोग अभी भी बेघर हैं और क्षेत्र के कई हिस्सों से अभी भी संपर्क टूटा हुआ है। मलावी के राष्ट्रपति लजारस चकवेरा ने 14 दिनों के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। मोजाम्बिक में प्रशासन ने बताया कि शनिवार से अभी तक कम से कम 53 लोगों की मौत हुई है जबकि 50,000 से ज्यादा लोग बेघर हुए हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि मानव की वजह से हुए जलवायु परिवर्तन से चक्रवातीय गतिविधियों की आवृत्ती में कमी आयी है और वे अधिक भीषण हुई हैं। हाल ही में समाप्त हुए ला-नीना का प्रभाव दुनिया भर पर होता है और उसके कारण हाल के वर्षों में क्षेत्र में चक्रवातों की आवृत्ती बढ़ी है। चक्रवात फेडी ने फरवरी से ही अफ्रीका के दक्षिणी हिस्से में कहर बरपाया है।

पाक गुरुद्वारा में लूटपाट व तोड़-फोड़ की कोशिश नाकाम, सिक्योरिटी गार्ड को पीटा

करांची । सिंध के जैकोबाबाद जिले में गुरुद्वारा दशमेश दरबार सिंह सभा में लूटपाट की कोशिश की गई। कथित तौर पर 12 से 13 मार्च की दरम्यानी रात को जैकबाबाद, जिला परिषद रोड, जैकबाबाद, सिंध, पाकिस्तान में स्थित गुरुद्वारे की दीवारों पर मुंह ढके पांच मुस्लिम लोगों का एक दल गुरुद्वारा की दीवार फांदकर अंदर घुसा और दानपेटी को तोड़ने की कोशिश की। हालांकि, मौके रहते गुरुद्वारे के सुरक्षा गार्ड को इसकी भनक लग गई। गुरुद्वारे के सुरक्षा गार्ड हैदर पट्ठो के शोर मचाने पर लुटेरे भाग गए। बताया जा रहा कि भागने से पहले लुटेरों ने सुरक्षा गार्ड हैदर की पिटाई की और उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। जैकोबाबाद पुलिस थाने में एक शिकायत दर्ज की गई है, जहां हैदर ने दावा किया कि इन चोरों का उद्देश्य न केवल दानपेटी को लूटना था।

तुर्की में आई बाढ़ के बाद एकेबे इलाके से लोगों को नाव के जरिये दूसरी जगहों पर पहुंचाया गया।

गार्सेटी होंगे भारत में अमेरिका के राजदूत

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के करीबी एरिक गार्सेटी भारत में अमेरिका के राजदूत होंगे। सीनेट ने उनके नामांकन की पुष्टि करते हुए करीब दो साल से खाली पड़े प्रमुख राजनयिक पद को भरने की राह साफ कर दी। सीनेट ने 42 के मुकाबले 52 मतों से उनके नामांकन की पुष्टि की। तीन डेमोक्रेटिक सदस्यों ने गार्सेटी का समर्थन नहीं किया। हालांकि, रिपब्लिकन पार्टी के सात सदस्यों ने उनका साथ दिया, जिससे उनके नामांकन की पुष्टि संभव हो पाई। सीनेट की विदेशी संबंधों से जुड़े मामलों की समिति ने पिछले सप्ताह गार्सेटी के नामांकन को आठ के मुकाबले 13 मतों से मंजूरी दी थी। सीनेट इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष सीनेटर मार्क वार्नर ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच एक मजबूत संबंध है, जिसके रणनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक महत्व है। साझा मूल्यों पर स्थापित, बढ़ते आर्थिक एवं व्यापार संबंधों द्वारा समर्थित और यहां अमेरिका में भारतीय समुदाय द्वारा और मजबूत की गई यह साझेदारी भविष्य के लिए काफी मायने रखती है। वार्नर ने कहा कि सीनेट इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष के रूप में मुझे खुशी है कि अंततः भारत में सीनेट द्वारा अधिकृत राजदूत होगा। गार्सेटी (52) लॉस एंजिलिस के पूर्व मेयर हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने सबसे पहले उन्हें जुलाई 2021 में भारत में अमेरिकी राजदूत के पद के लिए नामित किया था।

अमेरिका कर रहा था जासूसी, रूस ने सिखाया सबक, कहा- उकसाया तो परिणाम भुगतने होंगे

वाशिंगटन (एजेंसी)। रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर दुनिया को जिस अनहोनी का डर था, आखिर वो हो गया। दुनिया की दो परमाणु महाशक्तियां अब सीधे टकराने को तैयार हैं। यूक्रेन युद्ध के एक साल बाद पहली बार ऐसा हुआ कि रूस और अमेरिका जंग के मैदान में एक दूसरे के आमने-सामने आ गए। रूस ने अमेरिका पर पहला हमला भी बोल दिया है। रूस ने अमेरिका के जासूसी ड्रोन को मार गिराया है। जिससे अमेरिका बौखलाया हुआ है।

रूस-अमेरिका के बीच हुई बात?

अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा है कि उन्होंने काला सागर के ऊपर एक अमेरिकी ड्रोन के नष्ट होने के संबंध में अपने रूसी समकक्ष से बात की है। अक्टूबर के बाद से ऑस्टिन और रूस के रक्षा सचिव सर्गेई शोइगु के बीच फोन पर पहली बार बातचीत हुई है। ऑस्टिन ने कहा, ''मैंने अपने रूसी समकक्ष शोइगु के साथ अभी फोन पर बात की।'' उन्होंने कहा, ''जैसा कि मैंने बार-बार कहा है, यह महत्वपूर्ण है कि बड़ी शक्तियां पारदर्शिता और संवाद की आदर्श होनी चाहिए और जहां कहीं भी अंतरराष्ट्रीय कानून अनुमति देता है, अमेरिका वहां उड़ान संचालन जारी रखेगा। इस दौरान रूसी रक्षा मंत्री ने कहा कि अगर भविष्य में अमेरिका ने कोई उकसावे की कार्रवाई की तो रूस की भी उसका 'उचित जवाब' देगा।

अमेरिका ने क्या कहा था?

व्हाइट हाउस और पेंटागन ने इस हमले की घोर निंदा की है। नाटो के सुप्रीमो ने नाटो के सदस्य देशों को इसकी जानकारी दी। शीतयुद्ध जब चरम पर था, उसके बाद ऐसा पहली बार हुआ है जब अमेरिकी एयरक्राफ्ट को रूसी विमान ने मार गिराया। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से ही अमेरिकी लगातार अपने ड्रोन को काला सागर के ऊपर भेज रहा है।

नेतन्याहू के समझौते की पेशकश ठुकराने के बाद इज़राइल में विरोध-प्रदर्शन तेज

तेल अवीव। (एजेंसी) इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा न्यायिक प्रणाली में बदलाव की उनकी योजनाओं को लेकर जारी गतिरोध को हल करने के मकसद से दिए गए एक समझौता प्रस्ताव को ठुकराने के बाद देश के कई शहरों में बृहस्पतिवार को विरोध-प्रदर्शन और तेज हो गए। यरूशलम में प्रदर्शनकारियों ने उच्चतम न्यायालय की तरफ जाने वाली सड़कों पर, विरोध स्वरूप लाल लकीरें खींचीं। वहीं, हाइफा में समुद्री तट पर नावों के एक काफिले को जहाज मार्ग को अवरुद्ध करते देखा गया। कई अन्य शहरों में प्रदर्शनकारियों द्वारा सड़कें जाम किए जाने की भी खबरें हैं। पिछले हफ्ते, प्रदर्शनकारियों ने देश के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को जाने वाली सड़क अवरुद्ध कर दी थी, जिसके चलते इटली की आधिकारिक यात्रा पर जा रहे नेतन्याहू को हेलीकॉप्टर से हवाईअड्डे पहुंचना पड़ा था। सड़क जाम करने वाले प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां थाम रखी थीं, जिन पर लिखा था-'वापस मत आना!' इज़राइल में लाखों प्रदर्शनकारी हर शनिवार को नेतन्याहू सरकार के खिलाफ किए जा रहे साप्ताहिक विरोध-प्रदर्शन में हिस्सा ले रहे हैं। प्रदर्शनकारी नेतन्याहू के राष्ट्रपति आइजैक हरज़ोग द्वारा दिए गए समझौता प्रस्ताव को ठुकराने से और नाराज हो गए हैं। हरज़ोग ने बुधवार को टेलीविजन पर प्रसारित संबोधन में नेतन्याहू को समझौते की पेशकश की थी। उन्होंने न्यायिक प्रणाली में बदलाव के नेतन्याहू सरकार के प्रस्ताव के खिलाफ देश में दो महीने से अधिक समय से जारी विरोध-प्रदर्शनों के बीच यह कदम उठाया था। हरज़ोग ने कहा था कि उन्होंने समाज के विभिन्न तबकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श किया है, जिसमें यह निष्कर्ष निकला कि इज़राइल के अस्तित्व को बचाए रखने के लिए एक समझौते पर सहमति बनना जरूरी है।

इस्लामाबाद कोर्ट ने खारिज की इमरान की याचिका, 18 मार्च तक गिरफ्तारी का दिया आदेश

वॉशिंगटन (एजेंसी)। इस्लामाबाद की एक जिला और सत्र अदालत ने तोशखाना मामले में पूर्व प्रधानमंत्री के लिए जारी गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट को निलंबित करने की मांग वाली पीटीआई के अध्यक्ष इमरान खान की याचिका गुरुवार को खारिज कर दी। सुरक्षित रखे गए फैसले की घोषणा करते हुए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जफर इकबाल ने कहा कि वारंट को एक उपक्रम के आधार पर निलंबित नहीं किया जा सकता है। तोशखाना उपहारों के विवरण को छिपाने के लिए पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही की मांग करने वाले पाकिस्तान के चुनाव आयोग (ईसीपी) के संदर्भ पर सुनवाई करते हुए उन्होंने ये आदेश पारित किए।

सत्र अदालत 28 फरवरी को इमरान को मामले में अभ्यारोपित करने के लिए तैयार थी, लेकिन उनके वकील ने न्यायाधीश से अनुरोध किया था कि उन्हें सुनवाई से छूट दी जाए क्योंकि उन्हें कई अन्य अदालतों में पेश होना है। उनके अभियोग को पहले कई बार टाला गया था। न्यायाधीश ने बाद में इमरान के लिए गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया था और पुलिस को उसे 7 मार्च तक अदालत में पेश करने का निर्देश दिया था। पीटीआई प्रमुख गिरफ्तारी से बचने में कामयाब रहे और बाद में वारंट रद्द करने के लिए इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) का दरवाजा

खटखटाया। लाहौर हाई कोर्ट ने इमरान को कुछ राहत देते हुए उन्हें 13 मार्च तक सत्र अदालत में पेश होने को कहा था, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री एक बार फिर सुनवाई से दूर ही रहे।नतीजतन, एडीएसजे इकबाल ने सोमवार को इमरान के लिए गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट फिर से जारी किया और पुलिस को उसे 18 मार्च तक अदालत में पेश करने का निर्देश दिया। हालांकि, मंगलवार को जब पुलिस इमरान को गिरफ्तार करने के लिए लाहौर में जमान पार्क स्थित उनके आवास पर पहुंची, तो उन्हें प्रतिरोध का सामना करना पड़ा, जिसके कारण पीटीआई समर्थकों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच दो दिन की घमासान लड़ाई हुई। उसी दिन, पीटीआई ने आईएचसी में इमरान के लिए जारी नवीनतम गिरफ्तारी वारंट को भी चुनौती दी। याचिका को खारिज कर दिया गया और पीटीआई प्रमुख को निचली अदालत में एक हलफनामा जमा करने का निर्देश दिया, जिसमें कहा गया है कि वह 18 मार्च को सुनवाई में शामिल होंगे।

दक्षिण कोरिया व जापान के शिखर वार्ता से पूर्व उत्तर कोरिया ने दागे मिसाइल

-जापानी पीएम किशिदा ने कहा- उत्तर कोरिया को लापरवाही भरे उकसावों की कीमत चुकानी पड़ेगी

सियोल (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया और जापान के नेताओं के तोक्यो में शिखर वार्ता करने से कुछ ही घंटे पहले बृहस्पतिवार को उत्तर कोरिया ने अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करते हुए एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का प्रक्षेपण किया। यह उत्तर कोरिया द्वारा पिछले एक महीने में किया गया आईसीबीएम का पहला, जबकि किसी हथियार का तीसरा परीक्षण है। दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी सैनिकों के संयुक्त सैन्य अभ्यास जारी रखने के बीच ये परीक्षण किए जा रहें है, जिन्हें उत्तर कोरिया आक्रमण का पूर्वाभ्यास बताता है।

दक्षिण कोरियाई सेना के अनुसार उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग से सुबह करीब सात बजकर 10 मिनट पर प्रक्षेपित किए जाने के बाद उत्तर कोरियाई आईसीबीएम ने कोरियाई प्रायद्वीप के पूर्वी जल क्षेत्र की ओर उड़ान भरी। बयान के मुताबिक आईसीबीएम ने कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच के जलक्षेत्र में उतरने से पहले करीब एक हजार किलोमीटर की दूरी तय की। अभी तत्काल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि कौन-सा आईसीबीएम प्रक्षेपित किया गया। हालांकि, पहले के प्रक्षेपणों से स्पष्ट है कि उत्तर कोरिया की लंबी दूरी की मिसाइलों को मुख्य रूप से अमेरिका पर हमला करने के लिए बनाया गया है। पिछले कई प्रक्षेपणों में यह स्पष्ट रूप से दिखा था कि उत्तर कोरिया के हथियार अमेरिका की सरजमीं तक पहुंचने में सक्षम हैं।

वहीं, कुछ विदेशी विशेषज्ञों को अब भी संदेह है कि उत्तर कोरिया ने उन मिसाइलों पर रखे जाने के लिए बेहद छोटे 'वॉरहेड' बनाने और वायुमंडलीय क्षेत्र में फिर से दाखिल होने के दौरान 'वॉरहेड' की रक्षा करने की तकनीकों में महारत हासिल कर ली है। मिसाइल के आगे के हिस्से को 'वॉरहेड' कहते हैं, जिसमें विस्फोटक भरा होता है। इस बीच दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक-योल और जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने बृहस्पतिवार को तोक्यो में शिखर वार्ता शुरू की। दोनों देशों के बीच एक दशक से अधिक समय के बाद पहली बार शिखर वार्ता हो रही है। किशिदा ने तोक्यो रवाना होने से पहले कहा था कि उत्तर कोरिया को लापरवाही भरे उकसावों की कीमत चुकानी पड़ेगी।

बलात्कार के आरोपी नित्यानंद ने अमेरिकी शहर नेवॉर्क को लगाया चूना

नेवॉर्क सिटी (एजेंसी)। बलात्कार के आरोपी नित्यानंद के झूठे देश कैलासा के खिलाफ धोखाधड़ी का पहला मामला दर्ज हुआ है। इस देश ने किसी और को नहीं बल्कि न्यू जर्सी के शहर नेवॉर्क को अपना पहला शिकार बनाया है। नेवॉर्क सिटी के अधिकारी शुरुआत में इस लेकर काफी खुश थे कि उन्हें हिंदू देश कैलासा के साथ जुड़ने का मौका मिल रहा है। लेकिन बाद में उन्हें पता लगा कि वहां जिस देश के साथ जुड़ने जा रहे हैं, उसका कोई अस्तित्व ही नहीं है। जनवरी में नेवॉर्क सिटी ने कैलासा के कुछ प्रतिनिधियों का स्वागत किया था। मगर अब सिटी हॉल की तरफ से माना गया है कि यह सबकुछ एक धोखाधड़ी का हिस्सा थी जिसे एक भगौड़े भारतीय गुरु स्वामी नित्यानंद की तरफ से अंजाम दिया जा रहा था।

नए मामले के साथ ही कैलासा के साथ पहला ऐसा धोखाधड़ी का मामला जुड़ गया है जिसे विदेशी धरती पर अंजाम दिया गया है। नेवार्क के अधिकारियों की मानें तब यह समझौता सिर्फ छह दिनों तक चला। अधिकारियों की मानें तब इस पूरे आयोजन में किसी भी तरह के पैसे का लेन-देन नहीं हुआ है। नेवॉर्क सिटी के प्रवक्ता की तरफ से कहा गया है कि हालांकि इस घटना पर काफी खेद है मगर नेवॉर्क सिटी ऐसी साझेदारी की तरफ देख रही थी जो विविध संस्कृतियों से भरी हुई है।

नेवॉर्क सिटी जिस प्रोग्राम के तहत कैलासा से जुड़ने वाली थी, उसे सिस्टर सिटी प्रोग्राम नाम दिया गया है जिसे द्वितीय विश्व युद्ध के बाद शुरू किया गया था। इस प्रोग्राम का मकसद दो नगरपालिकाओं के बीच सांस्कृतिक और वाणिज्यिक संबंधों को मजबूत करना था। नेवॉर्क, न्यू जर्सी का सबसे बड़ा शहर है। 12 जनवरी को एक साइनिंग सेरेमनी हुई थी जिसमें नेवॉर्क के मेयर रास बाराका ने नकली प्रतिनिधियों मुलाकात की थी। उन्होंने इस दौरान कहा था, मैं प्रार्थना करता हूं कि हमारा रिश्ता हमें सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक विकास को समझने में मदद करे और दोनों जगहों पर हर किसी के जीवन में सुधार करे। वहीं, नेवार्क के निवासी सिर्फ शर्मिंदगी महसूस करते हैं। उन्हें लगता है कि आखिर कैसे उनके नेता एक घोटाले में फंस गए। उनका मानना है कि इस घोटाले को तब गूगल पर सर्च करके भी टाला जा सकता था।

आंतकवाद का राक्षस निगल रहा पाकिस्तान को, आंतकी हमलों में अफगानिस्तान पीछे छूटा

-बलूचिस्तान लिब्रेशन आर्मी ने किए सबसे ज्यादा हमलें

कराची (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश मंत्री रहीं हिलेरी क्लिंटन ने पाकिस्तान के लिए कहा था कि अगर आप अपने घर में सांप पालेंगा, तब एक दिन पलटकर, वहां सांप उसी को डंसा लेगा। हिलेरी की यह बात आज सच साबित होती नजर आ रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण एशिया में सबसे अधिक आतंकवादी हमलों और मौत के मामले में पाकिस्तान, अफगानिस्तान से आगे निकल गया है। इसके मुताबिक आतंकवाद के राक्षस ने अब अफगानिस्तान नहीं बल्कि पाकिस्तान को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। संगठन की रिपोर्ट के मुताबिक जहां पाकिस्तान में आतंकवाद के 120 फीसदी ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं, तब अफगानिस्तान में यह आंकड़ा काफी कम है। आतंकवाद के मामले में अब पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को भी पीछे कर दिया है। ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स में कहा गया है कि पाकिस्तान वह दूसरा देश है जहां पर आतंकवाद से सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं। एक साल के अंदर यहां पर आतंकी वारदातों में होने वाली मौतों का आंकड़ा 643 पर पहुंच गया है। 55 फीसदी पीड़ित सेना से जुड़े थे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आतंकी घटनाओं में तेजी से इजाफा हुआ है और इस वजह से पाकिस्तान इंडेक्स में छठी पोजिशन पर आ गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बलूचिस्तान लिब्रेशन आर्मी की तरफ से देश पर आतंकी हमलों में तेजी आ रही है। यह संगठन देश में तेजी से बढ़ता आतंकी संगठन है। पाकिस्तान में एक साल के अंदर आतंकी हमलों में जितने लोगों की मौत हुई है उनमें 36 फीसदी मौतों के लिए बीएलए जिम्मेदार है।

बीएलए पिछले एक साल की तुलना में नौ गुना ज्यादा ताकतवर हो गया है। बीएलए ने अब पाकिस्तान के सबसे खूखांर आतंकी संगठन तहारीक-ए-तालिबान (टीटीपी) को भी पीछे छोड़ दिया है। बीएलए की तरफ से साल 2022 में सबसे ज्यादा हमले हुए। इस साल प्रति हमले में 7.7 लोगों की मौत हुई। जबकि साल 2021 में यह आंकड़ा प्रति हमला 1.5 था। साल 2022 में बीएलए से जुड़े आतंकी हमलों में 233 मौते हुईं जिनमें 95 फीसदी मिलिट्री पर्सनल थे। बीएलए, अफगानिस्तान और ईरान की सीमा से लगा वह

संगठन है जो बलूचिस्तान की आजादी के लिए लड़ने की बात कहता है।

पाकिस्तान, अमेरिका और यूके तीनों ने ही बीएलए और टीटीपी दोनों को आतंकवादी संगठन के रूप में घोषित किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2022 में बीएलए ने सबसे घातक हमला किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महबूबा के शिवलिंग का जलाभिषेक किया

भाजपा ने बताया ड्रामा

देवबंद ने इस्लाम के खिलाफ बताया

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

पीडीपी चीफ और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती के शिवलिंग का जलाभिषेक करने पर देशभर में बहस छिड़ गई है। दरअसल महबूबा मंगलवार को पुंछ के नवग्रह मंदिर गईं थीं, वहां पूरे मंदिर में घूमीं और शिवलिंग पर जल चढ़ाया। उन्होंने मंदिर में बनी यशपाल शर्मा की मूर्ति पर फूल चढ़ाए। वहीं भाजपा ने महबूबा के मंदिर में जाने को ड्रामा करार दिया है। इतना ही नहीं देवबंद ने इस इस्लाम के खिलाफ बताया है।

भाजपा ने कहा कि यह एक ड्रामा है। कभी महबूबा ने अमरनाथ धाम के लिए जमीन देने से इनकार कर दिया था। इसके पहले मुफ्ती 2017 में गांदरबल के खीर भवानी मंदिर में भी जा चुकी हैं। तब वे जम्मू-कश्मीर की मुख्यमंत्री थीं। उधर, देवबंद को मुफ्ती का मंदिर में जाना रास नहीं आया। असद कासमी ने कहा कि ये इस्लाम के खिलाफ है। महबूबा ने जो किया है वहां सही नहीं है। उनका मंदिर जाकर शिवलिंग पर जल चढ़ाना इस्लाम की मान्यताओं के खिलाफ है। जम्मू-कश्मीर भाजपा के प्रवक्ता रनबीर सिंह पठानिया ने कहा कि 2008 में महबूबा और उनकी पार्टी ने अमरनाथ धाम के लिए जमीन के अलॉटमेंट का विरोध किया था। श्रद्धालुओं के लिए इस जमीन पर निवास स्थान बनाए जाने थे। अब उनका मंदिर जाना केवल एक ड्रामा है। इससे उन्हें कुछ हासिल नहीं होगा। अगर राजनीतिक ड्रामों से कुछ हासिल होता, तब जम्मू-कश्मीर आज समृद्धि का बाग बन गया होता।

इसके जवाब में महबूबा ने कहा कि यह मुल्क गंगा जमुनी तहजीब वाला देश है। यहां हम सब एक दूसरे के धर्म की इज्जत करते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे श्रद्धा के साथ किसी ने पानी का लोटा बहुत ही प्यार से दिया था, मैंने पानी डाल दिया। यह बिल्कुल निजी मामला है। इस पर बहस नहीं होना चाहिए।

अमित शाह का दो दिवसीय गुजरात दौरा, कई विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 18-19 मार्च को गुजरात का दो दिवसीय दौरा करेंगे। इस दौरान वो अनेक कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। जानकारी के मुताबिक इस दौरान अमित शाह डेयरी उद्योग सम्मेलन और दो विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोह सहित कई अन्य कार्यक्रमों में शामिल होंगे। एक अधिकारी के मुताबिक गृह मंत्री 18 मार्च को भारतीय डेयरी संघ की ओर से गांधीनगर में आयोजित 49वें डेयरी उद्योग सम्मेलन में भाग लेंगे। इसके अलावा वह जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में शामिल होंगे और गांधीनगर सिविल अस्पताल में मुफ्त भोजन अभियान की शुरुआत भी करेंगे। वहीं 18 मार्च को ही शाह वड़ोदरा में महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे और उसके पहले नारदीपुर तालाब का उद्घाटन करने के अलावा वासन तालाब तथा कलोल के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन भी करेंगे। अमित शाह गुजरात के अपने दौरे के दौरान 19 मार्च को जूनागढ़ में एपीएमसी किसान भवन का उद्घाटन करेंगे और जूनागढ़ जिला बैंक के मुख्यालय का शिलान्यास भी करेंगे।

अधिकारियों ने बताया कि इसी दिन वह सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करने के अलावा सोमनाथ ट्रस्ट के मोबाइल ऐप का शुभारंभ करेंगे। शाम को अमित शाह गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे।

रिश्वत मामले में भाजपा विधायक विरुपक्षप्पा के खिलाफ एक और मामला दर्ज करेगा लोकायुक्त

बैंगलुरू ।(एजेंसी)

लोकायुक्त के अधिकारी टेंडर के रिश्वत मामले में आरोपी भाजपा विधायक मदल विरुपक्षप्पा के खिलाफ एक और केस दर्ज करने की तैयारी कर रहे हैं। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि लोकायुक्त अधिकारी इस बात से परेशान हैं कि मामले के मुख्य आरोपी मदल विरुपाक्षप्पा को जमानत मिल गई है, जबकि मामले के दूसरे आरोपी उनके बेटे प्रशथ मदल को जेल हो गई। लोकायुक्त पहले ही भाजपा विधायक को जमानत देने पर सवाल उठाते हुए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटा चुके हैं। अधिवक्ता संघ ने भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर भाजपा विधायक की जमानत के मामले को पोस्ट करने पर चिंता जताई है। एसोसिएशन ने सीजेआई से मांग की है कि सामान्य व्यक्ति और वीआईपी के लिए न्याय समान होना चाहिए। मीडिया को सूत्र ने बताया कि लोकायुक्त ने राज्य और देश के अन्य हिस्सों में दावणगेरे जिले में भाजपा विधायक मदल विरुपाक्षप्पा की संपत्ति पर इनपुट इकट्ठा करना शुरू कर दिया है। सूत्रों ने पुष्टि की कि आय से अधिक संपत्ति के संबंध में सबूत मिलने के बाद अधिकारी उनके खिलाफ एक और शिकायत दर्ज कराएंगे। सरकारी अधिकारी और भाजपा विधायक के पुत्र प्रशांत मदल को उनके कार्यालय में 40 लाख रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। बाद में अधिकारियों ने उनके आवासों से 8 करोड़ रुपये से अधिक की वसूली की। ऐसा आरोप था कि कर्नाटक साबुन ओर डिटर्जेंट लिमिटेड (केएसडीएल) के लिए कच्चे माल की खरीद के लिए निविदा के आवंटन के लिए प्रसाद रिश्वत प्राप्त कर रहा था। भाजपा विधायक केएसडीएल के अध्यक्ष थे।

भाजपा, सपा, कांग्रेस 'घोर जातिवादी' और 'आरक्षण विरोधी': बसपा सुप्रीमो मायावती

नई दिल्ली ।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को 'घोर जातिवादी' तथा 'आरक्षण विरोधी' बताया और चुनावी सफलता तथा सत्ता की मास्टर कुंजी हासिल कर विरोधियों को करारा जवाब देने का आह्वान किया। समाजवादी पार्टी (सपा) पर जमकर निशाना साधते हुए मायावती ने कहा कि सिर्फ दुर्भावनापूर्ण आरोप लगाने से कुछ हासिल नहीं होगा, क्योंकि उत्तर प्रदेश और देश की जनता देख रही है कि कौन किस पार्टी की 'बी' टीम है और अभी भी वैसे ही काम कर रही है। बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती अपने इस बयान में सपा पर भाजपा की 'बी' टीम होने का आरोप लगा रही थीं। बसपा संस्थापक कांशीराम के जन्मदिन पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद मायावती ने चुनावी सफलता और सत्ता की मास्टर चाबी हासिल कर विरोधियों को करारा जवाब देने का आह्वान किया। उन्होंने बसपा मुख्यालय पर कांशीराम को पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद आरोप लगाया कि कांशीराम और उनके अनुयायियों का अपमान किया गया। बाद में पार्टी द्वारा जारी एक बयान में मायावती ने भाजपा, कांग्रेस और सपा पर 'घोर जातिवादी' और 'आरक्षण विरोधी' होने का आरोप लगाया।

देश जातिवादी सरकार व उन जैसे तत्वों से जकड़ाः मायावती

मायावती ने कहा कि देश पहले की तरह ही आज भी जातिवादी सरकार व उन जैसे तत्वों से जकड़ा हुआ है तथा इसके अभिशाप से छुटकारा तभी मिल सकता है, जब इसके सताये हुए लोग वोट डालने के अपने संवैधानिक हक के जरिए राज्य व देश की सत्ता पर काबिज होंगे। इसके लिए ही बसपा की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि देश व खासकर उत्तर प्रदेश ने भाजपा, कांग्रेस व सपा और उनके घोर जातिवादी व आरक्षण विरोधी रवैये के साथ-साथ एससी, एसटी, ओबीसी, मुस्लिम व धार्मिक अल्पसंख्यकों को उनके कानूनी हक व इंसाफ से वंचित रखने के खेल को भी देख लिया है।

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव को लेकर ईसीआई से मुलाकात करेगा प्रतिनिधि मंडल

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटने के बाद से वहां उपराज्यपाल का शासन है। विपक्षी दलों की ओर से लगातार विधानसभा चुनाव की मांग की जा रही हैं। अब फिर से विपक्षी दलों के नेताओं ने इस लेकर बैठक कर ईसीआई से मुलाकात करने की बात कही। इस प्रतिनिधिमंडल में फारूक अब्दुल्ला, प्रमोद तिवारी, महबूबा मुफ्ती और नसीर हुसैन का हिस्सा होंगे। बैठक के बाद अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के 13 दलों के लोग गुरुवार को यहां मिले और इस बात पर सहमत हुए कि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल होना चाहिए। इसके साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सब इस मुद्दे पर एक साथ हैं, कि जब स्थिति सामान्य हो गई है, तब जम्मू-कश्मीर में चुनाव क्यों नहीं हो रहे हैं। वहीं, एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि हम सभी मुद्दों (जम्मू-कश्मीर और विधानसभा चुनावों में राज्य की बहाली) पर सहमत हुए हैं। हम सभी जम्मू-कश्मीर के लोगों के दर्द को साझा करने और उन्हें आश्वासन देने के लिए श्रीनगर जाने के लिए तैयार हैं। 13 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में सांसद हसनैन मसूदी, रतन लाल गुप्ता (एनसी), रविंदर शर्मा (कांग्रेस), हर्षदेव सिंह (पैंथर्स पार्टी), मुजफ्फर शाह (एएनसी), अमरीक सिंह रीम (पीडीपी), मास्टर हरि सिंह (सीपीआईएम), गुलचैन सिंह (डोगरा सबा), मनेश सनैनी (शिवसेना), तरणजीत सिंह टोनी (आप) और खजुरिया शामिल हैं।इसके पहले पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने मोदी सरकार की आलोचना करते हुए कहा था कि केंद्र में सत्तारूढ़ सरकार जम्मू-कश्मीर के लोगों को परेशान कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने केवल झूठे वादे किए हैं। जम्मू और कश्मीर विध्वंस अभियान के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, उन्होंने पहली बार ऐसी सरकार देखी है जो गरीबों के घरों को स्कूलों, अस्पतालों और पार्कों में बदल रही है।

कार चालक ने युवक को कुचलने के बाद काफी दूर तक घसीटा

- रोंगटे खड़े कर देने वाला वीडियो वायरल

गाजियाबाद ।(एजेंसी)

उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद के कविनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले गोविंदपुरम में रोंगटे खड़े कर देने वाला एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में एक तेज रफ्तार कार 15 वर्षीय किशोर को जोरदार टक्कर मारकर काफी दूर तक घसीटते हुए नजर आ रही है। हालांकि, यह घटना 10 मार्च की बताई जा रही है। परिजनों द्वारा चौकी में तहरीर देकर गाड़ी चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस कार चालक की पहचान करने में जुट गई है। पुलिस के आला अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही इस घटना को अंजाम देने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।जानकारी के मुताबिक इस पूरे मामले की जानकारी देते हुए एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें एक कार चालक सड़क पर चल रहे युवक को जोरदार टक्कर मारता हुआ दिखाई दे रहा है। इस पूरे मामले की गहन जांच की गई तो यह पूरा वीडियो थाना कविनगर इलाके का पाया गया। बताया जा रहा है कि दूसरी तरफ इस पूरे मामले की शिकायत लेकर पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी कार चालक के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

महाराष्ट्र में झमाझम बारिश, देश के कई राज्यों में बरसेंगे बादल

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार 16 मार्च यानी आज से 5 दिनों के लिए देश के अधिकांश इलाकों में बारिश हो सकती है। आईएमडी का यह पूर्वानुमान सच है। महाराष्ट्र के ठाणे में बारिश शुरू हो गई है। वहीं, बिहार में भी बादल के बरसने के आसार हैं। वहीं, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में भी अगले पांच-छह दिनों तक आसमान में बादल छाए रहने और हल्की बारिश होने के आसार हैं, जिससे अधिकतम तापमान नियंत्रित रहेगा। आईएमडी के एक अधिकारी ने बताया कि हिमालयी क्षेत्र के ऊपर एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है, जिससे उत्तर-पश्चिम भारत में अगले कुछ दिनों तक हल्की बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, पश्चिम बंगाल और झारखंड में 16-18 मार्च तक आंधी-तूफान के साथ बारिश हो सकती है। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भी 17-18 तक बारिश की संभावना है।

दिल्ली में अगले पांच से छह दिनों तक हल्की बारिश होने का अनुमान है और अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। दिल्ली के प्रमुख मौसम केंद्र सफदरजंग वेधशाला में बुधवार को अधिकतम तापमान 34.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो सामान्य से पांच डिग्री ज्यादा और इस वर्ष का अब तक का सबसे अधिक तापमान है।

बिहार में रांची समेत झारखंड के 14 जिले 17 मार्च को ओलावृष्टि की चपेट में रहेंगे। मीडिया के अनुसार मौसम विज्ञान विभाग रांची केंद्र ने यह चेतावनी जारी की है। साथ ही राज्य के कृषि क्षेत्रों में ओलावृष्टि से होने वाली क्षति को लेकर पूर्वानुमान भी जारी किया है। इसके अनुसार राज्य के पूर्वी भाग देवघर, धनबाद, दुमका, गिरीडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज के अलावा मध्य भाग में रांची समेत बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी व रामगढ़ में 30 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। मेघ गरजेंगे और ओले गिर सकते हैं। इससे गेहूं, सरसों, फल, सब्जियों, दलहनी फसल को नुकसान हो सकता है।

मौसम विभाग चार दिनों का येलो अलर्ट जारी कर चुका है। पहले 15 से 17 मार्च तक राज्य के कुछ इलाकों के लिए अलर्ट जारी किया गया था। कुछ इलाकों में 17 मार्च के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके बाद दो दिन और बढ़ाकर 18 और 19 मार्च तक राज्य के अन्य हिस्सों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया। मौसम विभाग के अनुसार इन चार दिनों में मौसम के बदलाव का कारण पश्चिमी विक्षोभ है। इसमें 50 किमी की गति से हवा चलने के साथ वज्रपात और ओलावृष्टि होगी।

बिहार के अधिकतर जिलों में आंशिक से मध्यम बारिश होने की संभावना हैं। कुछ जगहों पर ओला गिरने की भी चेतावनी जारी की गई है। इसके प्रभाव से राज्य भर में 19 मार्च तक गर्मी से राहत के आसार बने रहेंगे। मौसम विभाग ने भागलपुर, बांका, जमुई, मुंगेर और खगड़िया में कुछ जगहों पर ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की है। गुरुवार को इन पांच जिलों के लिए येलो अलर्ट है जबकि शुक्रवार के लिए औरंज अलर्ट जारी किया गया है।

शुक्रवार को इसकी तीव्रता और प्रभाव में बढ़ोतरी के आसार हैं। मौसम वैज्ञानिकों अनुसार के राज्य के 13 जिलों में इसका असर ज्यादा दिखेगा।

हालांकि तापमान में गिरावट राज्य भर में देखी जाएगी।

अदालती अवमानना, फिल्म निर्माता अग्निहोत्री को 10 अप्रैल को पेश होने को कहा

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को फिल्म निर्माता विवेक अग्निहोत्री को उड़ीसा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एस मुरलीधर के खिलाफ अपने ट्वीट के लिए माफी मांगने के लिए 10 अप्रैल को पेश होने को कह दिया हैं। पिछले साल दिसंबर में, अग्निहोत्री ने अपनी टिप्पणी के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय से माफी मांगी थी, लेकिन उन्होंने अपनी दलील दर्ज करने के बाद सुनवाई टाल दी थी कि वह 16 मार्च को सुनवाई के लिए व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित रहे। हालांकि, अग्निहोत्री गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश होकर कहा कि उन्हें बुखार है। अदालत ने इसके बाद मामले को 10 अप्रैल के लिए सूचीबद्ध किया। अग्निहोत्री ने न्यायाधीश के खिलाफ बयान वापस लेने और माफी मांगने के लिए एक हलफनामा दायर किया था। जस्टिस सिद्धार्थ मृदुल और तलवंत सिंह की खंडपीठ ने पिछली बार सुनवाई टाल दी थी। पीठ ने कहा था, हम अग्निहोत्री से उपस्थित रहने के लिए कह रहे हैं, क्योंकि उन्होंने अदालत की अवमानना की है। पछतावा एक हलफनामे से व्यक्त नहीं किया जा सकता। अग्निहोत्री ने जस्टिस मुरलीधर के खिलाफ ट्वीट किया था। ट्वीट्स के अनुसार, अग्निहोत्री ने न्यायमूर्ति मुरलीधर के खिलाफ पूर्वाग्रह का आरोप लगाया था। नतीजतन, निर्देशक के खिलाफ अदालती अवमानना की कार्रवाई शुरू की गई। अग्निहोत्री के ट्वीट भीमा कोरेगांव मामले में गौतम नवलखा को राहत देने वाले न्यायाधीश के संबंध में थे। सितंबर 2022 में कोर्ट ने अग्निहोत्री के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई करने का फैसला किया था। जिसके बाद उन्होंने माफी मांगते हुए एक हलफनामा दायर किया।

संक्षिप्त समाचार

दुधवा टाइगर रिजर्व में दिखाई दिया लाल शिर वाला गिद्ध, अधिकारी खुशी से उछल पड़े

लखीमपुर खीरी । एशिया में बेहद कम संख्या में बाकी बचे अतिदुर्लभ प्रजाति का एशियन किंग वल्चर-लाल शिर वाला गिद्ध गुरुवार को दुधवा टाइगर रिजर्व के दक्षिण सोनारीपुर रेंज में देखा गया। इससे दुधवा पार्क अधिकारी व वन्यजीव प्रेमी बेहद खुश हैं। बता दें दुधवा टाइगर रिजर्व में दक्षिण सोनारीपुर रेंज में पेट्रोलिंग के दौरान टीम को एक पेड़ पर लाल सिर वाला गिद्ध दिखा। जिसकी टीम ने वीडियो ग्राफी कर सूचना अधिकारियों को दी। यह गिद्ध बहुत ही कम दिखाई देने वाला एशियन किंग वल्चर व लाल सिर वाला रेड हेडेड वल्चर भी बकहा जाता है। इस गिद्धों का राजा भी कहते है। इसकी लंबाई 76-86 सेमी होती है। यह अपने पंखों को 6 से 8 फिट तक फैला सकता है। इसका वजन लगभग 6 किलो ग्राम होता है। यह विलुप्त की कागार पर पहुंच चुका है। दुधवा टाइगर रिजर्व प्रभाग के उपनिदेशक डॉ रंगा राजू टी ने काफी हर्ष व्यक्त कर बताया कि दुधवा की दक्षिण सोनारीपुर रेंज के बेस कैंप के मिनीफैंस में यहां कार्यरत आउटरीच प्रोग्रामर विपिन सैनी व बायोलॉजिस्ट अपूर्वा गुप्ता जब पेट्रोलिंग कर रहे थे, तब उन्हें विलुप्त की कगार पर पहुंच चुके अति दुर्लभ प्रजाति का रेड हेडेड वल्चर जिसे एशियन किंग वल्चर भी कहा जाता है एक पेड़ पर बैठा हुआ दिखाई दिया।

नाले में महिला की डेड बॉडी मिलने से हड़कंप, शरीर को कई हिस्सों में कटा गया

नई दिल्ली । दिल्ली से सटे नोएडा के सेक्टर आठ स्थित नाले में एक महिला की डेड बॉडी मिलने से हड़कंप मच गया है। महिला का शरीर कई हिस्सों में कटा पाया गया है। शव के हाथों पर होली का रंग लगा मिला है। पुलिस डेड बॉडी की पहचान में जुटी है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। मौके पर एडीसीपी सहित एसीपी भारी पुलिस बल तैनात है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लड़की के हाथ पैर और उंगली शरीर के अलग-अलग हिस्से नाले में मिले हैं। मौके पर डॉग स्क्वायड टीम फॉरेंसिंग टेस्ट मौजूद है। बता दें कि सेक्टर-8 नोएडा का सबसे संवेदनशील एरिया है। डीसीपी नोएडा जोन, ने बताया कि सेक्टर-8 के नाले में एक मानव शरीर के कुछ अंग मिले हैं जो चार से पांच दिन पुराने लग रहे हैं। सूचना मिलने पर पुलिस टीम वहां पहुंची। फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है। पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है। शव की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज की भी मदद ली जा रही है।

विपक्षी सांसदों को प्रवर्तन निदेशालय को ज्ञापन देने जाने से रोका गयाः सांसद संजय सिंह

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी से सांसद संजय सिंह ने राज्यसभा में 267 का नोटिस दिया है। उन्होंने अदानी समूह पर चर्चा की मांग की, साथ ही विपक्षी सांसदों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को ज्ञापन देने से रोके जाने का भी मुद्दा उठाया। संजय सिंह ने कहा कि अदानी घोटाले पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच की मांग करते हुए आम आदमी पार्टी सहित करीब 16 दलों के विपक्षी सांसद जापन सौंपने प्रवर्तन निदेशालय जा रहे थे, लेकिन केंद्र सरकार द्वारा भारी पुलिस बल लगाकर ज्ञापन देने से रोक दिया गया। संजय सिंह ने कहा कि हिंडेनबर्ग की रिपोर्ट भारत सरकार के अधिकारी के पत्र तथा विभिन्न राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय मीडिया संस्थानों ने अदानी ग्रुप द्वारा किए गए विभिन्न घोटालों का खुलासा किया है, जिसमें विदेशों में फर्जी कंपनियां बनाकर हजारों करोड़ों रुपए का फजीर्वाड़ा किया गया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों व भारत सरकार के नियमों के खिलाफ अदानी को देश में कई कोयला खदानें सौंपी गई है, जिससे देश को लाखों करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। सरकारी वित्तीय संस्थाओं के साथ भी अडानी ग्रुप द्वारा धोखाधड़ी की गई। आप सांसद ने सभापति से नियम 267 के तहत सूचीबद्ध कार्यों को स्थगित कर इस विषय पर सदन में चर्चा कराने की मांग की है।

सुंदरकांड का पाठ करके योगी सरकार 97 प्रतिशत हिंदू समाज को आहत कर रही : स्वामी प्रसाद

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद ने रामचरित मानस पर गुरुवार को एक और विवादित बयान दिया। स्वामी प्रसाद ने ट्वीट कर लिखा कि ढोल, गवार, शुद्र, पशु, नारी। सकल ताड़ना के अधिकारी।। उसी सुंदरकांड का हिस्सा है जिसका योगी सरकार ने पाठ कराने का निर्णय लिया है, यानी सरकार का यह निर्णय महिलाओं व शूद्र समाज को प्रताड़ित व अपमानित करने वाले 3 प्रतिशत लोगों का बढ़ावा देने एवं 97 प्रतिशत हिंदू समाज के भावनाओं को आहत करने वाला है। इसके पहले स्वामी प्रसाद ने मैनपुरी दौरे पर भी रामचरित मानस पर विवादित बयान दिया था। स्वामी ने सरकारी खर्चे पर धार्मिक पाठ के आयोजन के सरकार के निर्णय पर सवाल खड़ा किया था। स्वामी ने कहा कि पूरी दुनिया में जब रामचरित मानस का पाठ लोगों ने स्वत ही बंद कर दिया, तब सरकार अपने खर्चे पर ये पाठ करा रही है। ये देश सबका है। स्वामी ने कहा कि विभिन्न धर्मों, जातियों के लोगों ने आजादी दिलाने में शहादत दी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई